संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-289 सोमवार, 21 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जी-20:दिल्ली पुलिस के पास गाड़ियों की कमी

» अब अधिकारियों से मांग रही वापस

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। नई दिल्ली में जी-20 की बैठक के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। भारत की अध्यक्षता में इस बार ये बैठक 9-10 सितम्बर के दौरान होने वाली है। इस बैठक में सुरक्षा और अन्य चीजों को लेकर दिल्ली पुलिस की अहम भूमिका होने वाली है, लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि जी-20 के लिए पुलिस महकमे के पास पर्याप्त गाड़ियां ही नहीं हैं। दिल्ली पुलिस ने अपने उन अधिकारियों को तलब किया है, जिनके पास पुलिस की गाड़ियां काफी समय से लगी हुई हैं। दिल्ली पुलिस ने अधिकारियों को जल्द गाड़ियां वापस भेजने को कहा है। इसके साथ ही विभाग से ऐसी गाड़ियों को पेट्रोल-डीजल देना बंद करने को कहा गया है। दिल्ली पुलिस विभाग का ये आदेश उन गाड़ियों के लिए है जो जिस जिले या विभाग में अलॉट की गई थीं, वहां न चलकर कहीं और इस्तेमाल की जा रही हैं।

8 सितम्बर तक पहुंच जाएंगे मेहमान

राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में सम्पन्न होने वाले इस सम्मेलन के लिए तैयारियां बीते साल से ही चल रही हैं इनमें अधिकांश पूरी हो चुकी हैं और शेष जल्द ही पूरी होने वाली हैं. हाल ही में पीएम मोदी ने प्रगति मैदान के नए बने कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण किया था ।
सम्मेलन के लिए 8 सितम्बर तक सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि मंडल एवं इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड जैसी संस्थाओं के प्रतिनिधि दिल्ली पहुंच जाएंगे. इन खास मेहमानों के लिए सुरक्षा और उनकी आवाजाही को लेकर कड़े इंतजाम किए जाने हैं, जिसमें दिल्ली पुलिस की सबसे अहम भूमिका होगी ।

5 दिनों तक ट्रैफिक पर प्रतिबंध की तैयारी

कार्यक्रम के दौरान दिल्ली में 5 दिनों तक वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है । सूत्रों के मुताबिक, 8 से 10 तक चलने वाले त्र-20 समिट के दौरान शनिवार और रविवार पड़ रहे हैं. वहीं 7 को जन्माष्टमी है. ऐसे में यह योजना बनाई जा रही है कि 6 से ही पाबंदियां लागू की जाए, जो सोमवार तक जारी रहेगी ।

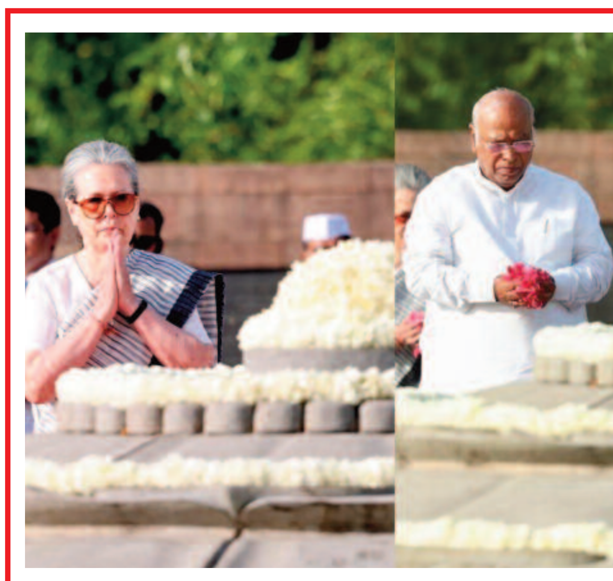

खड़गे व सोनिया ने राजीव गांधी को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

पीएम मोदी ने किया याद

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को यहां वीर भूमि में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पार्टी की शीर्ष नेता प्रियंका गांधी वाद्रा और के.सी. वेणुगोपाल भी उपस्थित थे। उन्होंने भी पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की। अन्य लोगों के अलावा, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अनिल कुमार चौधरी ने भी गांधी को श्रद्धांजलि दी।
इससे पहले, कांग्रेस ने एक्स(पूर्व में ट्विटर) पर अपने आधिकारिक अकाउंट पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 21वीं सदी के भारत के रचनाकार राजीव गांधी की उत्कृष्टता, उनकी दूरदर्शिता ने भारतीय राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी।
पार्टी ने लिखा, भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री को हमारी हार्दिक श्रद्धांजलि, जिन्होंने हमेशा के लिए देश को बदल दिया।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।
उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि।
इससे पहले सुबह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजीव गांधी की जयंती पर उनकी समाधि वीर भूमि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता प्रियंका गांधी वाद्रा और केसी वेणुगोपाल भी उपस्थित थे।

नेपाल से शुरु हुआ टमाटर का आयात

» टमाटर की कीमतों में आई भारी गिरावट

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। इन दिनों टमाटर के दामों ने आम आदमी की जेब काट रखी है। लेकिन बड़े दिनों बाद राहत की खबर सामने आई है। जनता को राहत देने के लिए सरकार कई शहरों में सस्ते रेट पर टमाटर की बिक्री कर रही है। सरकारी एजेंसियां जैसे एनसीसीएफ और नाफेड कई शहरों में रिटेल से बहुत कम दाम पर टमाटर बेच रही हैं। आज यानी रविवार 20 अगस्त को सरकार ने टमाटर के दाम में बड़ी कटौती करते हुए इसे 40 रुपये किलो के हिसाब से बचने का फैसला किया है।

इन शहरों में बिक रहे सस्ते टमाटर

गौरतलब है कि भारत के कई शहरों में पिछले दो से तीन महीनों के भीतर टमाटर की कीमत 200 से 300 रुपये किलो तक पहुंच गई थी। ऐसे में आम लोगों को राहत देने के लिए सरकार ने जुलाई से ही नाफेड और एनसीसीएफ की मदद से कई शहरों में सस्ती दरों पर टमाटर की बिक्री शुरू कर दी थी।

अब तक 15 लाख किलो टमाटर की बिक्री

मिली जानकारी के मुताबिक अब तक इन दोनों एजेंसियों ने देशभर में 15 लाख किलो से अधिक टमाटर की बिक्री की है। यह एजेंसियां दिल्ली-एनसीआर समेत राजस्थान के जयपुर, कोटा, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, बिहार के पटना और मुजफ्फरपुर, आरा और बक्सर कम कीमत पर टमाटर बेच रही हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि इस टमाटरों को सरकार बड़ी संख्या में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की मंडियों से खरीद रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में टमाटर की कीमत पर सरकार के कदमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि देश में खाद्य महंगाई दर को कंट्रोल करने के लिए सरकार नेपाल से बड़ी संख्या में टमाटर का आयात कर रही है। सरकार के इस फैसले के बाद नेपाल से टमाटर की खेप वाराणसी, कानपुर और दिल्ली पहुंच चुकी है।

चीनी घुसपैठ की राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। भाजपा ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि चीन ने लद्दाख में लोगों की जमीन छीन ली है।
भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम आपसे क्या उम्मीद कर सकते हैं? जवाहरलाल नेहरू के समय में चीन ने 1962 के युद्ध से पहले और बाद में (भारत की) कितनी जमीन पर कब्जा किया था, क्या आपको राहुल गांधी जी याद है? वह दौरे से पहले एजेंडा तय करते हैं।
केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार का जिक्र करते हुए प्रसाद ने कहा, राहुल गांधी, यह आपकी सरकार की आधिकारिक

लाइन थी कि अरुणाचल प्रदेश से लद्दाख तक भारत-चीन सीमा पर सड़कें, पुल नहीं बनाए जाएंगे क्योंकि चीन चिढ़ जायेगा। संसद के अंदर आपके रक्षा मंत्री ए.के. एंटनी ने कहा था कि हम बुनियादी ढांचे का निर्माण कर चीन को परेशान नहीं करना चाहते हैं। तो, यह आपका अतीत है।
उन्होंने कहा, आपने राफेल में क्या किया? दुनिया ने देखा। आपने लद्दाख के बारे में बिल्कुल गलत कहा है। (नरेंद्र) मोदी सरकार लद्दाख के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और बहुत कुछ कर रही है।
हम जानते हैं कि टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग आपके साथ चलते हैं। मैं आपसे अपील करता हूं कि देश का मनोबल ना तोड़ें।
इससे पहले लद्दाख में राहुल गांधी ने कहाः यहां, चिंता की बात यह है कि चीन ने जमीन छीन ली है और लोग प्रभावित हैं। लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना (भारतीय क्षेत्र में) घुस आई है।
राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत ने एक इंच जमीन नहीं खोई है, लेकिन लद्दाख में यह सच नहीं है।

शरद पवार के करीबी रहे ईश्वर जैन के ठिकाने से ईडी को मिली बेहिसाब संपत्ति

मुंबई ,20 अगस्त 2023 (ए)। शरद पवार के करीबी के ठिकानों पर छापेमारी में ईडी को बेहिसाब संपत्ति बरामद हुई है। इसमें एक करोड़ नकदी, 25 करोड़ रुपये की कीमत का 39 किलो सोना जब्त किया है। ईडी ने एक दिन पहले बैंक फ्रॉड मामले में एनसीपी के पूर्व राज्यसभा सांसद ईश्वरलाल जैन के 13 ठिकानों पर तलाशी ली। ईश्वर लाल जैन एनसीपी के पूर्व कोषाध्यक्ष रहे हैं। उन्हें शरद पवार के करीबी लोगों में गिना जाता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तलाशी के दौरान जांच एजेंसी को 1 करोड़ रुपये की नकदी और 39 किलोग्राम सोना बरामद किया, जिसकी कीमत 25 करोड़ रुपये है।

ईडी को मिले अहम सबूत

ईडी ने जलगांव, नासिक और ठाणे में मौजूद जैन की संपत्तियों पर छापा मारा था। ईडी के हवाले से बताया गया है कि एजेंसी को मोबाइल फोन से ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जिसमें जैन के बेटे की रियलिटी फर्म में लक्जमबर्ग इकाई से 50 मिलियन यूरो के एफडीआई प्रस्ताव के संकेत मिले हैं।

रायपुर के लिए उड़ान भरने से पहले दिल्ली की जमीनी स्थिति के बारे में बात करनी चाहिएःपवन खेड़ा

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार की आलोचना के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कांग्रेस ने पलटवार किया। कांग्रेस ने उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में पिछली शीला दीक्षित सरकार के प्रदर्शन की तुलना मौजूदा सरकार से करने की चुनौती दी।
बता दें कि कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार करते हुए राज्य के सरकारी स्कूलों की स्थिति को बेहद खराब बताते हुए अलोचना की थी। हालांकि, कांग्रेस और आप, दोनों ही विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) का हिस्सा हैं।
केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को रायपुर में आप कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया था। इस दौरान केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ की जनता के लिए विधानसभा चुनाव में 10 गारंटी कार्ड जारी किया था।
केजरीवाल के कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार पर हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा,रायपुरक्यों जाना? हमारी छत्तीसगढ़ सरकार के प्रदर्शन की तुलना पिछली रमन सिंह की सरकार से कर लीजिए। खेड़ा ने कहा,अपनी पसंद से कोई भी क्षेत्र चुन लीजिए और दिल्ली में पिछली कांग्रेस की सरकार से अपनी सरकार की तुलना कर लीजिए। उन्होंने कहा कि रायपुर के लिए उड़ान भरने से पहले केजरीवाल को दिल्ली की जमीनी स्थिति के बारे में बात करनी चाहिए जहां पूरा शहर रसातल में जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया सीडब्ल्यूसी की नई टीम का ऐलाल

थरूर, पायलट, प्रियंका शामिल

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। कई महीनों के सस्पेंस के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के गठन की घोषणा कर दी। यह पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। इसमें शशि थरूर, सचिन पायलट, प्रियंका गांधी वाड्रा और कई अन्य नेता शामिल हैं। पार्टी ने एक बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष ने सीडब्ल्यूसी का गठन किया है। खड़गे के अलावा, पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पूर्व

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, पार्टी के दिग्गज नेता ए.के. एंटनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी. चिदंबरम, तारिक अनवर, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, कुमारी शैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, अजय माकन का नाम शामिल है। नई सीडब्ल्यूसी में पायलट, थरूर, पूर्व पंजाब सीएम चरणजीत सिंह चन्नी, प्रियंका गांधी भी हैं।
39 सदस्यीय सीडब्ल्यूसी सूची में पार्टी नेता ललथनहवला, अशोकराव चव्हाण, गइखंगम, एन रघुवीरा रेड्डी, ताम्रध्वज साहू, अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान कुर्शीद, जयराम रमेश, जितेंद्र सिंह के नाम भी शामिल हैं।
इसके अलावा, दीपक बाबरिया, जगदीश ठाकोर, जीए मीर, अविनाश पांडे, दीपा दास मुंशी, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन, कमलेश्वर पटेल और केसी वेणुगोपाल भी इसमें हैं।
इसके अलावा पार्टी ने वीरप्पा मोइली, हरीश रावत, पवन कुमार बंसल, मोहन प्रकाश, रमेश चेन्निथला, बी.के. हरिप्रसाद, प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी, तारिक हमीद कर्रा, दीपेंद्र सिंह हुडा, गिरीश राया चोड़ानकर, टी. सुब्बारामी रेड्डी, के. राजू, चंद्रकांत हंडोरे, मीनाक्षी नटराजन, फूलो देवी नेताम, दामोदर राजा नरसिम्हा और सुदीप रॉय बर्मन को कार्य समिति में स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया है।
खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के करीब 10 महीने बाद नई सीडब्ल्यूसी की घोषणा की गई है। गौरतलब है कि सीडब्ल्यूसी में शामिल किए गए थरूर ने खड़गे के खिलाफ पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान को मारने की सुपारी अपने भाई को सौंपी!

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। स्पेशल सेल के सूत्रों ने दावा किया कि, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को मारने की सुपारी अपने भाई और साथी गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को दी है।
सूत्रों ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान को मारने के लिए तीन बार योजना बनाई थी, लेकिन हर कोशिश विफल रही। सलमान खान को मारने के लिए बिश्नोई द्वारा डिजाइन किए गए इन तीन ऑपरेशनों का नेतृत्व गैंगस्टर संपत नेहरा, दीपक और टीनू ने किया था।सूत्रों ने कहा कि तीनों अपने मिशन में फेल हो गए। इसके बाद, लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान को मारने का काम किसी और को सौंपने का फैसला किया है। उसने ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अपने भाई अनमोल को चुना।

सूत्रों से यह भी पता चला है कि लॉरेंस के गिरोह ने तुर्की निर्मित जिगाना पिस्तौल के बजाय जर्मनी निर्मित पीएस 30 पिस्तौल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये पिस्तौलें 8 से 10 लाख रुपये के बीच में आती हैं और गिरोह को ये हथियार विदेश स्थित सहयोगियों से मिल रहे हैं।
अधिकारी ने कहा कि रंजीत दुपला अमेरिका में रहकर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों के संपर्क में है। दुपला पहले पंजाब का एक गैंगस्टर था जो अमेरिका भाग गया था और अब एक अंतरराष्ट्रीय हथियार डीलर है। 2017 में, डुपला को हथियार तस्करी के एक मामले में पंजाब के फरीदकोट की जिला अदालत द्वारा अपराधी घोषित किया गया था।
दिल्ली पुलिस ने अनमोल बिश्नोई के खिलाफ चार्जशीट दायर की है, जिससे संकेत मिलता है कि गिरोह को लंदन स्थित एक अपराधी से भी समर्थन मिलता है। यह चार्जशीट दिल्ली के सनलाइट कॉलोनी इलाके में गोलीबारी और जबरन वसूली की घटना के सिलसिले में दायर की गई थी। सूत्रों ने खुलासा किया कि अनमोल बिश्नोई ने लॉरेंस बिश्नोई के पड़ोसी अक्षय बिश्नोई को अपने गिरोह में शामिल किया था। अक्षय को गिरोह का नया चेहरा माना जाता है और हाल ही में उसे राजस्थान की हनुमानगढ़ पुलिस ने पकड़ा था। दिल्ली क्राइम ब्रांच आने वाले हफ्तों में जबरन वसूली के मामले में भी उससे पूछताछ करेगी।
सूत्रों ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से गुजरात का निवासी डेविड बिश्नोई नेटवर्क के लिए काम करने के लिए अक्षय की टीम में शामिल हुआ। अक्षय के कार्यों में नाबालिगों की भर्ती करना और गिरोह के सदस्यों को साजोसामान सहायता प्रदान करना शामिल है। सूत्रों ने बताया कि वे मुंबई पुलिस को सलमान खान से जुड़ी नई जानकारी से अवगत कराएंगे।

65 से ज्यादा वर्तमान सांसदों का टिकट काटेगी बीजेपी!

लोकसभा चुनाव 2024

नई दिल्ली,20 अगस्त 2023 (ए)। अगले साल होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। विपक्षी एकता और एकजुटता की संभावनाओं के बीच भाजपा देशभर में अपने वर्तमान सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर फिर से चुनाव जीत सकने वाले सांसदों की लिस्ट को अंतिम रूप देने में जुटी है। दरअसल, 2019 के पिछले लोक सभा चुनाव में भाजपा को 303 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। वर्तमान में लोक सभा में भाजपा के पास 301 सांसद हैं लेकिन सूत्रों की मानें तो इनमें से 65 से ज्यादा सांसदों की रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छी नहीं है। ऐसे में एंटी-इनकंबेंसी से बचने के लिए भाजपा इन सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने यानी वर्तमान सांसदों का टिकट काटने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इनमें से कुछ सांसदों का संसदीय क्षेत्र भी बदला जा सकता है।

आपको याद दिला दें कि मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजपा ने इसी वर्ष 30 मई से 30 जून तक देशभर में एक विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया था, जिसमें पार्टी के सभी सांसदों को जुट जाने को कहा गया था। पार्टी के कई सांसदों ने इस कार्यक्रम में पूरे मन से भाग नहीं लिया, जिसकी वजह से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को वर्चुअली बैठक कर उन सांसदों को फटकार भी लगानी पड़ी थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा संसदीय दल की बैठक में कई बार सांसदों को फटकार लगाते हुए यह कह चुके हैं कि या तो वो अपना रवैया बदलें या फिर बदले जाने के लिए तैयार रहें।पिछले कुछ महीनों के दौरान देश भर में पार्टी संगठन द्वारा टिफिन बैठक सहित, कई अन्य महत्वपूर्ण अभियान चलाए गए, उसमें भी कई सांसद पार्टी की उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुटा पाए थे।

गैर समुदाय लड़की के संग भागा बेटा तो पड़ोसियों ने की माता-पिता की पीट-पीटकर हत्या

सीतापुर (यूपी),20 अगस्त 2023 (ए)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक मुस्लिम दंपत्ति को उनके पड़ोसियों ने लाठी और सरिया से हमला कर मार डाला।
मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस का कहना है कि यह हत्या कथित तौर पर पीड़ित के बेटे और एक आरोपी की बेटी के बीच प्रेम प्रसंग का नतीजा थी।
हमले में दंपत्ति अब्बास और उसकी पत्नी कमरुल निशा की मौके पर ही मौत हो गई और सभी आरोपी मौके से भाग गए।
सीतापुर के पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने कहा कि कुछ साल पहले अब्बास का बेटा पड़ोसी की एक लड़की के साथ भाग गया था। इस संबंध में मामला दर्ज कर अब्बास के बेटे को जेल भेज दिया गया।
पुलिस ने कहा कि जब अब्बास का बेटा कुछ दिन पहले जेल से रिहा हुआ, तो परिवार के कुछ सदस्यों ने दंपति पर हमले की योजना बनाई।
चक्रेश मिश्रा ने कहा, ग्रामीणों के अनुसार, मृतक दंपत्ति के बेटे और शौकत रामपाल की बेटी रूबी के बीच प्रेम प्रसंग था। शौकत ने साल 2020 में रूबी का अपहरण कर लिया था। उस वक्त रूबी नाबालिग थी और पुलिस ने मामला दर्ज कर शौकत को जेल भेज दिया था। जून में उसने रूबी का दोबारा अपहरण कर शादी कर ली।
पुलिस का कहना है कि तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी दो की तलाश जारी है।

संपादकीय

क्या है सरकार की मंशा

कमजोर सरकारों के दौर में जब अदालतें कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में जाकर आदेश देती थीं, तब वह भी संविधान की भावना के अनुरूप नहीं था। अब सरकार ने न्यायपालिका के लिए एसओपी तैयार किया है, तो इस पर भी वही बात लागू होती है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था के तीन प्रमुख अंगों-विधायिका, कार्यकपालिका और न्यायपालिका- में कोई एक दूसरे लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) बनाए, यह बात गले नहीं उतरती। दरअसल, ऐसा करने की कोई व्यवस्था संविधान के तहत नहीं है। कमजोर सरकारों के दौर में जब अदालतें कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में जाकर आदेश देती नजर आती थीं, तब भी संविधान की भावना से परिचित लोगों ने उस पर एतराज किया था। लेकिन उसमें कम से एक बात जरूर थी कि न्यायपालिका कोई एक दल या व्यक्ति से नियंत्रित नहीं थी। इसलिए दलगत हित सधने या नियंत्रण कायम होने का अंदेशा तब नहीं था। मगर शक्ति संतुलन बदल गया है। केंद्र में संख्या बल के लिहाज से एक मजबूत सरकार है, जिसने धीरे-धीरे राज्य के सभी अंगों और संस्थाओं पर अपना प्रभाव कायम कर लिया है। न्यायपालिका इस प्रभाव से पूरी तरह अप्रभावित है, यह भी नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद न्यायपालिका सरकार के आंख का कांटा बनी हुई है, यह उसकी तरफ से बार-बार और कई कोणों से किए गए जुबानी हमलों से जाहिर है।

बहरहाल, अब बात वहीं तक नहीं रही। अब खबर है कि सरकार ने न्यायपालिका के लिए एक एसओपी तैयार किया है। इसके जरिए यह तय करने की कोशिश की गई है कि सरकार के जुड़े मामलों की न्यायिक प्रक्रिया होगी और सरकारी अधिकारियों से जज किस तरह का व्यवहार नहीं कर सकेंगे। कहा गया है कि अगर कोर्ट किसी मामले की जांच के लिए समिति बनाना चाहता है, तो वह सिर्फ इतना निर्णय ही लेगा। समिति में कौन होगा, यह पूरी तरह सरकार तय करेगी। कोर्ट अगर किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करता है, तो एसओपी में कहा गया है कि जिस बेंच के आदेश की अवहलेना हुई है, वह अवमानना मामले की सुनवाई नहीं करेगा। साथ ही कोर्ट किसी नीति के निर्माण के लिए सरकार को समयसीमा नहीं बताएगा। क्या अदालतें इस एसओपी का पालन करने के लिए मजबूर हैं क्या वे सचमुच ऐसा करेंगी एक बड़ा प्रश्न है, जिसका सीधा संबंध न्यायपालिका की स्वायत्तता से है। इस मामले में अब नजर अदालतों के रुख पर रहेगी।

सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर, फॉरवर्ड अब सोच समझकर ही कीजिएगा जी!

» **सोशल मीडिया पर अब अभद्र,अपमानजनक पोस्ट पर माफ़ी मांग कर आपराधिक कार्रवाई से नहीं बचा जा सकता**

» **व्हाट्सएप,फेसबुक इंस्टाग्राम सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट शेयर,फॉरवर्ड करने से पूर्व सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संज्ञान लेना ज़रूरी**

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियां में तेज़ी से विस्तारित हो रहे डिजिटलाइजेशन के कारण विभिन्न प्रकार के ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स तेज़ी से बढ़ते जा रहे हैं, जिन्हें हम सोशल मीडिया के नाम से जानते हैं।आज करीब करीब हरमोबाइल धारकों के पास व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम सहित ऐसी अनेकों ऐप्स है जिनके माध्यम से वे अपने भावों को व्यक्त करतें है। सोशलमीडिया पर किसी पोस्ट को शेयर करना फॉरवर्ड करना या फिर उसे रिट्वीट कर देना काफी आम बात है। किसी भी सोशल मीडिया यूजर को जैसे ही कोई पोस्ट पसंद आता है। अक्सर वह ऐसा ही करते हैं। सोशल मीडिया पर एक विचार का समर्थन दर्शाना अर्थात वह स्वयं का विचार बन जाता है। ऐसे में जानकारी रखना काफी आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट को रिट्वीट करना फॉरवर्ड करना या फिर शेयर करना क्या अपराध की श्रेणी में आता है या नहीं? परंतु उनकी नजर में तो साफ सुथरे और वेज़ होते हैं। परंतु हो सकता है उससे किन्हीं अन्य वर्ग के दिल में ठेस पहुंचा रहे हो, तो फिर वह मैटर बन जाता है और शिकायतों का दौर शुरू हो जाता है जिसे माफी मांग कर समाप्त कर हल निकालने की कोशिश की जाती रही है। परंतु शुक्रवार दिनांक 18 अगस्त 2023 को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के अनुसार केवल माफी मांगने से काम नहीं चलेगा, ऐसे लोग माफी मांगकर आपराधिक कार्यवाही का सामना करने से नहीं बच सकते।हमने कई बार देखा है कि कई लोगों के पास फेसबुक या अन्य एप्स 5 हज़ार की अधिकतम सीमाएं तक पहुंच जाते हैं तो फिर वह अपनी प्रसिद्ध को आगेबढ़ाते हुए उसी के पार्ट-2 और पार्ट-3 जोड़ देते हैं और यह संख्या हज़ारों से लाखों तक पहुंच जाती है, जिससे सोच अपने आप को सेलिब्रिटी समझने की ओर सो चली जाती है, तो स्वाभाविक रूप से अनेक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लीक से हटकर पोस्ट शेयर या फॉरवर्ड कर देते हैं जो उनके लिए जी का जंजाल बन जाता है फ़िर माफी मांगते हैं।परंतु अब हम हजारों ग्रुप्स में देखते हैं कि अनेक पोस्ट शेयर फॉरवर्ड किए हुए मिलते हैं जो ऐसे लोगों द्वाराफॉरवर्ड किया जाता है जिनका उनसे कोई लेना देना नहीं होता बस अनर्गल विचार, अनेक विषयों पर लिखते हैं जिनमें कुछ वर्गो की भावनाओं को ठेस पहुंचती है, लेकिन अब हमें ऐसी पोस्ट शेयर फॉरवर्ड से बचने की जरूरत है वरना हमें आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। चूंकि 18 अगस्त 2023 को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसले में इस अभद्र अपमानजनक पोस्ट को लेकर टिप्पणियां आई है, ऐसे पोस्ट पर माफी से कम नहीं चलेगा बल्कि आपराधिक कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर फॉरवर्ड अब सोच समझ कर कीजिएगा जी।

साथियों बात अगर हम दिनांक 18 अगस्त 2023 को आए एक अपेक्स कोर्ट के दो जजों की बेंच के जजमेंट की करें तो, सोशल मीडिया पर अभद्र और अपमानजनक पोस्ट को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। बेंच ने कहा कि सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने वालों को सजा देना जरूरी है, ऐसे लोग माफी मांगकर आपराधिक कार्यवाही से नहीं बच सकते। उन्हें अपने कृत्यों का परिणाम भुगतना होगा। कोर्टने तमिल अभिनेताऔर पूर्व विधायकके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया। उनके खिलाफ महिला पत्रकारों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला दर्ज है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा हैकि सोशलमीडिया उपयोगकर्ताओं को इसके प्रभाव और पहुंच के बारे में सावधान रहने की हिदायत देते हुए अभिनेता और तमिलनाडु के पूर्व विधायक द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया है।

साथियों बात अगर हम इस केस को समझने की करें तो, मामला 2018 का है। उन्होंने अपने फेसबुक पर महिला पत्रकारों को निशाना बनाते हुए एक आपत्तिजनक पोस्ट किया था। दरअसल, एक महिला पत्रकार ने तमिलनाडु के तत्कालीन राज्यपाल पर अभद्रता का आरोप लगाया था। महिला पत्रकार के इस आरोप पर उन्होंने अपनी राय रखी थी। उनके इस पोस्ट के बाद काफी विवाद हुआ था। एक राजनीतिक पार्टी ने उनके इस्तीफे की मांग की,इस पोस्ट को लेकर तमिलनाडु में उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए।जैसे ही उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ, उन्होंने तुरंत अपना पोस्ट हटा दिया और बिना शर्त माफी मांगी। एक्टर ने किसी और का पोस्ट शेयर किया था। उस समय उनकी दृष्टि धुंधली हो गई थी क्योंकि उन्होंने अपनी आँखों में दवा डाल रखी थी। इस वजह से वे देख नहीं पाए कि पोस्ट में क्या लिखा है। सोशल मीडिया पर एक्टर विधायक को कई लोग फॉलो करते हैं, जिसके चलते उनके शेयर करते ही यह पोस्ट वायरल हो गई। एक्टर के वकील ने तर्क दिया कि घटना के दिन एक्टर विधेयक अपनी आंखों में कुछ दवा डाल ली थी, जिसके कारण वह अपने द्वारा साझा की गई पोस्ट की सामग्री को नहीं पढ़ नहीं सके। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी को सोशल मीडिया का इस्तेमाल जरूरी लगता है तो उसे परिणाम भुगतने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने पोस्ट से संबंधित आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली याचिका लगाई थी जिसे खारिज कर दिया गया है। बेंच ने याचिकाकर्ता का के वकील से कहा कि अगर कोई सोशल मीडिया का उपयोग करता है, तो उसे इसके प्रभाव और पहुंच के बारे में अधिक सावधान रहना चाहिए।

साथियों बात अगर हम पोस्ट शेयर और फॉरवर्ड के संबंध में भारतीय कानूनों को जानने की करें तो, भारतीय कानून में यूं तो लगभग हर तरह के अपराधों को लेकर प्रावधान और सजा बनाएं गया है।लेकिन ऐसा कोई भी प्रत्यक्ष प्रावधान नहीं है जो सोशल मीडिया पर पोस्ट को रिट्वीट करने फॉरवर्ड करने या शेयर करने को एक अपराध घोषित करता हो। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के तहत कई प्रावधान ऐसे जरूर होते हैं, जिनके तहत आपराधिक दायित्व बनते हैं। इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के सेक्शन 67 के अंतर्गत किसी तरह की अश्लील सामग्री को इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रकाशित करना या प्रसारित करना अपराध है, जिसके लिए 3 साल तक की सजा और फाइन का भी प्रावधान है। वही सेक्शन 67 (ए) इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में बच्चों से संबंधित किसी तरह की यौन कृत्य वाली सामग्री के प्रकाशित या प्रसारित करने को लेकर भी दंड का प्रावधान है। इसमें 5 वर्ष की कैद और फाइन का प्रोविशन दिया गया है तथा अपराध सिद्ध हो जाने पर 7 वर्ष की सजा और एक्सपेंडेड फाइंड भी किया जा सकता है।इसके अलावा भारतीय दंड संहिता के कुछ सेक्शन जैसे 153(ए) 153(बी) 293, 295 (ए) 499 यह सब सांप्रदायिक घृणा अश्लीलता, धार्मिक भावनाओं को आहत करने और मानहानि से संबंधित हैं। अर्थात यह उस व्यक्ति खिलाफ लागू हो सकते हैं जो अपमानजनक या आपत्तिजनक संदेश साइबर स्पेस से भेजा या शेयर किया जाता है। अब तक इस संबंध में भारतीय न्यायालय द्वारा कोई भी अधिकारिक निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन कुछ केसेस में ध्यान देने योग्य बात ज़रूर कही गई है ।जिससे कुछ बाते स्पष्ट होती है जैसे कि मद्रास हाई कोर्ट ने 2018 में जजमेंट देते हुए नेता व एक्टर की ए बी ए डिसमिस कर दी थी और कहा था कि सोशल मीडिया पर किसी संदेश को शेयर करना फॉरवर्ड करना उसको स्वीकार करना है और समर्थन करने जैसा ही है। शब्द कृत्यों से ज्यादा शक्तिशाली होते हैं ।जैसे कि एक सेलिब्रिटी किसी तरह का संदेश को फॉरवर्ड करता है तो आम जनता या मानने लगती कि इस तरह की चीजें ही चल रही है। इसी मैटर में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी जिसका निर्णय अभी आया है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर फॉरवर्ड अब सोच समझकर कीजिएगा जी! सोशल मीडिया पर अब अभद्र, अपमानजनक पोस्ट पर माफ़ी मांग कर आपराधिक कार्रवाई से नहीं बचा जा सकता व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पोस्ट शेयर फॉरवर्ड करने से पूर्व सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संज्ञान लेना ज़रूरी है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

बाजी पलट

हिंसा क्या होता है,
हमें न सिखाओ,
हमें न बताओ,
हम वो जमात हैं
जिसने हिंसा सहे है,
हजारों सालों से डर डर कर
उस खतरनाक माहौल में रहे हैं,
हमें उस क्रूरता का गुण दोष मत
सिखाओ,
हिंसा का डर हमें मत दिखाओ,
आपके किये उपद्रवों के कारण
हमने अपने लोग खोये हैं,
संपत्ति खोकर,पति खोकर,
पुत्र खोकर,आबरू खोकर,
हमारी महिलाएं खूब रोये हैं,
हिंसा तुम्हारा हथियार रहा है,
हमें डराने के लिए,
हमें रुलाने के लिए,
हमारा हक़ खाने के लिए,
अपना हुकूमत जमाने के लिए,
शिक्षा से दूर ले जाने के लिए,
समानता न आ पाने के लिए,
आज कायम हो
अपने उसी अंदाज पर,
चिपके हो अमानवीय रिवाज़ पर,
आरक्षण बंद करते जा रहे हो,
शिक्षा महंगा बना रहे हो,
अहसान कर रहे हैं कह
बेमतलब का गाल बजा रहे हो,
अनर्गल शोर मचा हो,
पर मत भूलो अब
हम सब कुछ
सहन करने लोग नहीं हैं,
पलट कर रख देंगे एक दिन,
तुम्हारी सोच,तुम्हारी हिंसा,
तुम्हारे नियम,और तुम्हारा सत्ता।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

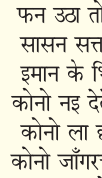

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

नागपंचमी

साँप सेरू मिलय जंगल मा
फेर अब गाँ-सहर मा बसत हे।
जेन मुँह लुकाए बसेरा करय
तेन मुँह उघार के डसत हे।।
गरीबहा उपर सोसन करके
काटे छोड़ नरि ला मस्कत हे
दुखिया मन के घर टोर-टोरके
भिया तरि ला जमीन खसकत हे।।
बिरोध बर गोड़ उताए मा
फन उठा तोरे कति टसकत ए।
सासन सत्ता के धौंस जमा के
इमान के भिथियाँ भसकत हे।
कोनो नइ देते भुथियार के पइसा
कोनो ला छल करि चुसत हे।
कोनो जाँगरचोरा के बइठे भितरी
भरम भुत टोटका कर लुटत हे।
कोनो डोमी गड़हा असडयाँ बनके
कोनो अजगर बनके रिश्वत ठुसत हे
नाग बसे हे जम्मो ठौर-ठौर मा
जेन डसे बर घर-घर घुमत हे।।
पहिने पातर पिवरीं-सफेद चोला
जेन गोज कभु नइ छोड़त हे।।
दुध के जगा मा पइसा-दारु पिथे
जे नागपंचमी के दिसा मोड़त हे।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चांपा
छत्तीसगढ़

भोले को साध लिया

जिसने भोले को साध लिया,
अपने जीवन में भक्ति से,
मन गंगा-सा पावन होता,
भोलेनाथ की शक्ति से।
जिसने भोले को ...
मन की सारी व्याकुलता भी,
पल में क्षीण हो जाती है,
साथ मिले भोले का सब को,
धड़कन सुर में गाती है।
जिसने भोले को ....
यूं तो हमनें गांठ बांध ली,
भोले के संग जाने की,
मन में प्रीत जगा ली ऐसी ,
भोले संग मुस्कानें की।
जिसने भोले को ....
सुध-बुध खोकर हम भोले से,
मिलने जब-तब आते हैं,
चमत्कार का नाम है भोले,
बस भोले-भोले गाते हैं।
जिसने भोले को ....
आओ सारे जन हम मिल कर,
भक्ति बेहिसाब करें,
भोले की महिमा में रंग कर,
कर्म-भक्ति का पाठ पढ़ें।
जिसने भोले को ....

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

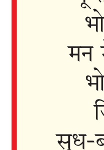

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
सी स्पेशल,गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

लघुकथा

अ-शुभ

दुख के साथ सभी को सूचित करना पड़ रहा है कि शांतिलाल की आज मौत हो गई है। अंतिम यात्रा का समय अभी तय नहीं हुआ है। पर संभव हो तो आज शाम साढ़े सात बजे उनके घर आने की कृपा करें। उनकी पत्नी को हृदय रोग है, इसलिए उन्हें यह बात बताई नहीं गई है। इसलिए कृपा कर के उन्हें फोन मत कीजिएगा और दिए गए समय से पहले आने की कृपा भी मत कीजिएगा।

नोट ÷ शांतिलाल के सभी शुभचिंतक, सगे-संबंधी इस सूचना पर ध्यान दें।

दोपहर के लगभग तीन बजे ह्वाट्सएप पर आया यह मैसेज कुछ अजीब था। यह मैसेज देखने के बाद कुछ लोगों को निःसंतान अकेले रहने वाले इस बूढ़े दंपति पर बहुत दया आई। दो-चार लोगों ने तो न जाने का क्या बहाना बनाना बनाया जाए, यह तय भी कर लिया। फिर मन में आया कि बहाना बनाएंगे किससे? शांतिलाल तो रहे नहीं, तो अब जाने की जरूरत ही क्या है? कुछ लोगों को चिंता हुई कि इस उम्र में शांतिलाल के बगैर उनकी पत्नी सविता अकेली कैसे जिंदगी बिताएंगी? थोड़ी देर में कालोनी की गली के ग्रुप में भी यह मैसेज आया। इसके बाद दो-चार पड़ोसियों ने घर की गैलरी से झांका। पर कोई हलचल दिखाई नहीं दी। एक दो लोग तो बिना किसी वजह के शांतिलाल के घर के बाहर भी चक्कर लगा आए। पर वहां उन्हें कोई हलचल दिखाई नहीं दी। दो-चार उत्साहियों ने मना करने के बावजूद केवल खबर लेने के बहाने सविता को फोन कर ही दिया।

साढ़े 7 बजे एक एक कर के लोग शांतिलाल के घर इकट्ठा होने लगे। घर के बाहर कुछ कुर्सियां रखी थीं। सविता गुमसुम बैठी थी। बाहर से आने वाले कुछ रिश्तेदार सविता को पकड़ कर रोने लगे तो उन्होंने पूछा, ÷क्या हुआ?÷

सविता को आघात न लगे, इस तरह धीरे से उन लोगों ने शांतिलाल के बारे में मिली खबर उन्हें बताई तो वह खिलखिला कर हंस पड़ीं। लोगों को लगा कि पति की मौत का इन्हें गहरा आघात लगा है। लेकिन वहां आए लोगों को तब लगा, जब शांतिलाल घर के अंदर से बाहर आए।

सभी को बाहर रखी कुर्सियों पर बैठाते हुए शांतिलाल ने कहा, ÷थोड़ा खराब तो था, पर जरूरी था। यह जानने के लिए कि हमारे संबंध कितने जीवंत हैं। बुरे दिनों में मुझसे कैसे हो न पूछने वाले भी यहां दिखाई दे रहे हैं। अच्छा ही हुआ, अगर मैं मर जाता तो आप लोग आते तो वह किस काम का होता? पिछले दो महीने में हमारे मोबाइल पर मात्र तीन फोन आए और आज मना करने के बावजूद केवल खबर लेने के लिए 18 फोन आए। सभी ने केवल खबर पूछ कर फोन रख दिया। अगर आप लोग कभी-कभार इसी तरह फोन कर लिया करें तो...? बात आप लोगों को हैरान करने वाली नहीं है। आप लोग आए, इस के लिए आप लोगों का हृदय से आभार। अब अगर मैं सच में चला जाऊं और आप लोग नहीं आएंगे, तब भी चलेगा। एंबुलेंस वाला ले जाएगा। पर जब तक जी रहे हैं, कभी आ कर या फोन कर के अहसास तो कराते रहें कि हम सच में जी रहे हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

कब तक रैगिंग की आंधी में बुझेंगे सपनों के दीप?

रैगिंग के नाम पर मैत्रीपूर्ण परिचय से जो शुरू होता है उसे घृणित और विकृत रूप धारण करने में देर नहीं लगती। रैगिंग की एक अप्रिय घटना पीड़ित के मन में एक स्थायी निशान छोड़ सकती है जो आने वाले वर्षों तक उसे परेशान कर सकती है। पीड़ित खुद को शेष दुनिया से बदनामी और अलगाव के लिए मजबूर करते हुए एक खोल में सिमट जाता है। यह उस पीड़ित को हतोत्साहित करता है जो कई आशाओं और अपेक्षाओं के साथ कॉलेज जीवन में शामिल होता है। हालाँकि शारीरिक हमले और गंभीर चोटों की घटनाएँ नई नहीं हैं, लेकिन रैगिंग इसके साथ-साथ पीड़ित को गंभीर मनोवैज्ञानिक तनाव और आघात का कारण भी बनती है। जो छात्र रैगिंग का विरोध करना चुनते हैं, उन्हें भविष्य में अपने वरिष्ठों से बहिष्कार का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग रैगिंग के शिकार होते हैं वे पढ़ाई छोड़ सकते हैं जिससे उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। गंभीर मामलों में आत्महत्या और गैर इरादतन हत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं।

रैगिंग को एक ऐसे कृत्य के रूप में परिभाषित किया गया है जो किसी छात्र की गरिमा का उल्लंघन करता है या ऐसा माना जाता है। नए लोगों के %स्वागत% के बहाने की जाने वाली रैगिंग इस बात का प्रतीक है कि व्यापक मानवीय कल्पना कितनी दूर तक फैल सकती है। सच है, मानव कल्पना की कोई सीमा नहीं है, शैतानी रैगिंग की भी कोई सीमा नहीं है। आज, रैगिंग भले ही भारतीय शैक्षणिक व्यवस्था में गहरी जड़ें जमा चुकी है, लेकिन कई लोगों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि रैगिंग मूल रूप से एक पश्चिमी अवधारणा है। ऐसा माना जाता है कि रैगिंग की शुरुआत कुछ यूरोपीय विश्वविद्यालयों में हुई जहां संस्थानों में नए छात्रों के स्वागत के समय वरिष्ठ छात्र व्यावहारिक मजाक करते थे। धीरे-धीरे रैगिंग की प्रथा पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गई। हालाँकि, समय के साथ, रैगिंग ने अप्रिय और हानिकारक अर्थ ग्रहण कर लिया और इसकी कड़ी निंदा की गई। आज, दुनिया के लगभग सभी देशों ने रैगिंग पर प्रतिबंध लगाने वाले कड़े कानून बनाए हैं और कनाडा और जापान जैसे देशों में इसे पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। लेकिन दुख की बात है कि ब्रिटिश राज से रैगिंग विरासत में मिला भारत इस अमानवीय प्रथा के चंगुल से खुद को मुक्त नहीं कर पाया है। बिना किसी संदेह के यह कहा जा सकता है कि रैगिंग का सबसे बुरा रूप भारत में होता है। दरअसल एक शोध के अनुसार, भारत और श्रीलंका दुनिया के केवल दो देश हैं जहां रैगिंग मौजूद है।

नए छात्रों को हमेशा अपने नियंत्रण में रखकर, एक वरिष्ठ छात्र अधिकार की भावना का पोषण करता है जो उसके मनोबल को बढ़ाता है और उसे ऊंचे स्थान पर रखता है। एक वरिष्ठ व्यक्ति जिसका रैगिंग का पुराना इतिहास रहा है, वह परपीड़क सुखों पर अपनी निराशा व्यक्त करके वापस आना चाहेगा। एक संभावित रैगर रैगिंग को एक गरीब नए छात्र की कल्पना की कीमत पर अपने परपीड़क सुखों को संतुष्ट करने के एक अच्छे अवसर के रूप में देखता है। यह भी एक वास्तविकता है कि रैगिंग करने वाले सभी वरिष्ठ अपनी इच्छा से ऐसा करने का आनंद नहीं लेते हैं। अपने अधिकांश बैच साथियों को रैगिंग में लिप्त देखकर उन्हें छूट जाने का डर रहता है। इसलिए अलगाव से बचने के लिए, वे भी झुंड में शामिल हो जाते हैं। पैसे, नई पोशाक, सवारी आदि के रूप में ठोस लाभ के साथ कई वरिष्ठ छात्र इस गलतफहमी में रहते हैं कि रैगिंग एक स्टाइल स्टेटमेंट है और इस तरह उन्हें % उनके कॉलेज की %प्रभावशाली भीड़% में शामिल कर देगी।

ऐसा कहा जाता है कि नर्क का रास्ता अच्छे इरादों से बनता है। रैगिंग के मामले में यह बात बिल्कुल सटीक बैठती है। रैगिंग के नाम पर मैत्रीपूर्ण परिचय से जो शुरू होता है उसे घृणित और विकृत रूप धारण करने में देर नहीं लगती। रैगिंग की एक अप्रिय घटना पीड़ित के मन में एक स्थायी निशान छोड़ सकती है जो आने वाले वर्षों तक उसे परेशान कर सकती है। पीड़ित खुद को शेष दुनिया से बदनामी और अलगाव के लिए मजबूर करते हुए एक खोल में सिमट जाता है। यह उस पीड़ित को हतोत्साहित करता है जो कई आशाओं और अपेक्षाओं के साथ कॉलेज जीवन में शामिल होता है। हालाँकि शारीरिक हमले और गंभीर चोटों की घटनाएँ नई नहीं हैं, लेकिन रैगिंग इसके साथ-साथ पीड़ित को गंभीर मनोवैज्ञानिक तनाव और आघात का कारण भी बनती है। जो छात्र रैगिंग का विरोध करना चुनते हैं, उन्हें भविष्य में अपने वरिष्ठों से बहिष्कार का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग रैगिंग के शिकार होते हैं वे पढ़ाई छोड़ सकते हैं जिससे उनके करियर की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। गंभीर मामलों में आत्महत्या और गैर इरादतन हत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं।

एक मजबूत लेकिन सुधारात्मक दंड प्रणाली के साथ एक मजबूत रैगिंग विरोधी कानून केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का कर्तव्य है। । सरकार ने 2007 में रैगिंग मुद्दे पर अध्ययन के लिए राघवन समिति की स्थापना की थी; और इसकी कई सिफ़ारिशों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। इसके अलावा, सरकार छात्रों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए गैर सरकारी संगठनों, प्रिंट मीडिया, टीवी, रेडियो आदि का उपयोग कर सकती है। व्यापक परिप्रेक्ष्य में, सरकार को परिसर में शराब और नशीली दवाओं के उपयोग पर लगाम लगानी चाहिए, जो रैगिंग की घटनाओं को बढ़ावा देती है। अब तक रैगिंग पर रोक लगाने वाले दो ऐतिहासिक फैसले आ चुके हैं। तिरुवनंतपुरम सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज बनाम केरल राज्य में फ्रेशर्स की रैगिंग। राष्ट्रपति के माध्यम से विश्व जागृति मिशन बनाम कैबिनेट सचिव के माध्यम से केंद्र सरकार।

यूजीसी के साथ-साथ एआईसीटीई, एमसीआई आदि जैसे क्षेत्रीय निकायों को इस खतरे को रोकने में संस्थानों की भूमिका और ऐसा करने के तरीकों और साधनों के बारे में समय पर अनुस्मारक भेजने की जरूरत है। यह तथ्य कि 2009 के यूजीसी दिशानिर्देश भारत में एकमात्र व्यापक रैगिंग विरोधी नीति है, इस विचार को पुष्ट करता है। यूजीसी के साथ-साथ एआईसीटीई, एमसीआई आदि जैसे क्षेत्रीय निकायों को इस खतरे को रोकने में संस्थानों की भूमिका और ऐसा करने के तरीकों और साधनों के बारे में समय पर अनुस्मारक भेजने की जरूरत है। यह तथ्य कि 2009 के यूजीसी दिशानिर्देश भारत में एकमात्र व्यापक रैगिंग विरोधी नीति है, इस विचार को पुष्ट करता है।

रैगिंग विद्यार्थियों की और विद्यार्थियों की समस्या है; और इसलिए इसका समाधान भी विद्यार्थियों के पास है। कॉलेजों में रैगिंग के अनियंत्रित होने के साथ, अब समय आ गया है कि छात्र समुदाय इस अमानवीय प्रथा के प्रति अपनी अंतरात्मा को जगाए, इससे पहले कि अधिक से अधिक निर्दोष छात्र इसका शिकार बनें और इससे पहले कि अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थान इसके कारण अपमानित हों। रैगिंग पर अंकुश लगाने की प्राथमिक जिम्मेदारी शैक्षणिक संस्थानों की होगी। इन पर नियंत्रण के लिए मीडिया एवं नागरिक समाज की भी सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने सही कहा है, रैगिंग को संज्ञेय अपराध घोषित करने से रैगिंग पर नियंत्रण नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि शैक्षणिक संस्थानों में जाने वाले छात्रों को पुलिस के डर के साये में नहीं रहना चाहिए। हालाँकि, छात्रों पर हाल के प्रभाव को देखते हुए, रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए दिशानिर्देश लागू किए गए है। रैगिंग से संबंधित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी न्यायालय को सौंपी गई है। रैगिंग के प्रतिकूल प्रभाव की पिछली यादें इन कानूनों के सख्ती से कार्यान्वयन से ही मिटाई जा सकती हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,
हिसार
(हरियाणा)

पौराणिक काल से ही पूजे जाते रहे हैं नाग

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 21 अगस्त को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है।

नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात् कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदान स्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए 'नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

मुख्यमंत्री ने नवीन उपखण्ड धौरपुर एवं उदयपुर कार्यालय का किया शुभारंभ

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत जिले के 50 हजार से अधिक किसानों के खाते में आए 4285.96 लाख रुपए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती ''सद्भावना दिवस'' के अवसर पर महासमुंद के हाई स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के 18 नवीन तहसीलों एवं 13 अनुविभागीय कार्यालयों का शुभारंभ किया। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिले भी इस शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री द्वारा जिले के दो अनुविभाग कार्यालयों धौरपुर तथा उदयपुर का वर्चुअली शुभारंभ किया गया। इन्हें मिलाकर प्रदेश के 33 जिलों में 122 राजस्व अनुविभाग तथा 250 तहसील हो गए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा उद्देश्य यही है कि व्यक्ति को इकाई मानकर काम करना है और इसके लिए बड़े जिलों को छोटा किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती आज हम मना रहे है और इस अवसर पर न्याय योजनाओं की राशि वितरित की गई है और नवीन राजस्व कार्यालयों का शुभारंभ किया गया है, हमें आज इस बात की खुशी है कि इन योजनाओं का लाभ लेते हुए लोग खुश हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा न्याय योजनाओं सहित अन्य योजना के हितग्राहियों किसानों, मजदूरों, ग्रामीण व पशुपालकों को 2055.60 करोड़ रूपए की राशि का ऑनलाईन भुगतान किया गया। कार्यक्रम में जिले के 50 हजार से ज्यादा किसानों के खाते में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के द्वितीय किश्त के रुप में 4285.96 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया गया। जिला कलेक्टोरेट के ई सेवा केंद्र में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला सीजीएमएससी के अध्यक्ष एवं लुंड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कुमार कंवर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी सहित हितग्राही उपस्थित रहे।

नवीन उपखण्ड कार्यालय के शुभारंभ से ग्रामीणों को राजस्व कार्यों में मिलेगी सुविधा-

नवीन उपखण्ड कार्यालय उदयपुर के शुभारंभ से 186 ग्रामों के लोगों को राजस्व कार्यों में सुविधा मिलेगी, उपखण्ड उदयपुर अंतर्गत 02 तहसील, 07 राजस्व मण्डल, 63 पटवारी हल्का, 133 ग्राम पंचायत तथा 186 ग्राम हैं। वहीं नवीन उपखण्ड कार्यालय धौरपुर के शुभारंभ से 112 ग्रामों के लोगों को राजस्व कार्यों में सुविधा मिलेगी, इसके अंतर्गत 01 तहसील, 04 राजस्व मण्डल,37 पटवारी हल्का, 77 ग्राम पंचायत,

नागपंचमी पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नागपंचमी उत्सव दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 21 अगस्त की सुबह 10 बजे मल्टी पर्पज हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित किया गया है। खेल प्रतियोगिता में जिले सहित संभाग व प्रदेश के पहलवान भाग लेंगे। जिसमें सरगुजा केशरी सम्मान के लिए विजेता को 11 हजार रुपए नकद व शील्ड एवं उप विजेता को 51 सौ रुपए व शील्ड सरगुजा कुमार खिताब के लिए 51 सौ रुपए नकद व शील्ड उप विजेता को 31 सौ रुपए नकद व शील्ड दिया जाएगा। साथ ही सभी प्रतिभागी पहलवानों को भी पुरस्कार दिया जाएगा। सरगुजा कुश्ती संघ अध्यक्ष विकास पांडेय ने सभी खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिकों को कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल होने की अपील की है।

रेणुकूट रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होगी चार दिवसीय जन चेतना पद यात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

सरगुजा सर्वदलीय रेल संघर्ष समिति ने रेणुकूट से अंबिकापुर तक रेल जुड़ाव हेतु चार दिवसीय जन चेतना पद यात्रा की तैयारियां प्रारंभ कर दी है। रेल संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने रेणुकूट तक का प्रवास कर, पद यात्रा की व्यवस्था स्वरूप और योजनाओं को लेकर इस अभियान में उत्तर प्रदेश से जुड़े जनप्रतिनिधियों व संगठनों के साथ विचार विमर्श किया। सरगुजा रेल संघर्ष समिति के इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल मुकेश तिवारी ने बताया कि रेल विस्तार के इस अभियान को गति देने के लिए आयोजित, जन चेतना पदयात्रा 1 सितंबर को प्रात- रेणुकूट रेलवे स्टेशन से प्रारंभ होगी। पदयात्रा शुभारंभ के अवसर पर राज्यसभा सांसद रामसकल, उत्तर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोड के साथ राष्ट्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री कार्उसिल एन आर यू सी सी रेल मंत्रालय के सदस्य श्रीकृष्ण गौतम विशेष रुप से उपस्थित रहेंगे।

जन चेतना पदयात्रा अपने प्रथम दिवस, सोनभद्र जिले में प्रस्तावित किरविल और करकछी रेलवे स्टेशन से होती हुई बभनी तक पहुंचेगी, जहां सेवा कुंज आश्रम कारीडांड,चपकी में पहले दिन का रात्रि विश्राम होगा। 2 सितंबर शनिवार को दोपहर के बाद, पद यात्रा छत्तीसगढ़ राज्य में प्रवेश करेगी। दूसरे दिन की पदयात्रा, बलरामपुर जिले में प्रस्तावित पशुपतिपुर और वाड्रफनगर स्टेशनों से गुजरेगी।पदयात्रा के दूसरे दिन का रात्रि विश्राम वाड्रफनगर नगर में रहेगा। सरगुजा सर्व दलीय रेल संघर्ष समिति की यह जन चेतना पदयात्रा उत्तर प्रदेश राज्य में लगभग 50 किलोमीटर और छत्तीसगढ़ राज्य में 100 किलोमिटर की होगी। पदयात्रा के दौरान अंबिकापुर रेणुकूट रेल मार्ग निर्माण की मांग के समर्थन में पंपलेट वितरण, हस्ताक्षर अभियान के साथ संबंधित पंचायतों एवं जनप्रतिनिधियों से समर्थन पत्र लेने की मुहिम भी चलाई जाएगी। सभी प्रस्तावित रेलवे स्टेशनों में नुक्कड़ सभा आयोजित करने के साथ पौधारोपण कार्यक्रम भी किया जाएगा।

रेल संघर्ष समिति के इस प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित स्टेशन के जनप्रतिनिधियों व वहाँ निवासरत नागरिकों से भी सम्पर्क कर पदयात्रा के अभियान की जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने इसमें सहभागिता के साथ सहर्ष सहयोग के लिए आश्वस्त किया। रेल संघर्ष समिति के रेणुकूट प्रवास पर गए प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर तिवारी,पार्षद रमेश जायसवाल, अधिवक्ता रमेश द्विवेदी एवं अंचल ओझा शामिल थे।

600 बूथ एजेंट और अनुभाग प्रभारी को कांग्रेस ने दिया प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

शहरी और ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के बूथ एजेंटों का प्रशिक्षण शिविर रविवार को राजमोहनी भवन में संपन्न हुआ है। इस दौरान अम्बिकापुर ग्रामीण और शहरी ब्लॉक कांग्रेस के 152 बूथ के करीब 600 बूथ एजेंट और अनुभाग प्रभारी मौजूद थे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव की मौजूदगी में सम्पन्न इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 6 सत्रों में कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, मतदाताओं के पंजियन-निरस्तीकरण एवं उनसे संपर्क के साथ ही राज्य सरकार की उपलब्धियों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ राज्यगीत से किया गया, जिसके उपरांत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी गयी एवं उनके तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। सत्र का प्रारंभ जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता द्वारा किया गया। इस दौरान उनके द्वारा मतदाताओं के नाम जोडने, निरस्त करने एवं स्थानांतरित करने से संबंधित प्रशासकीय प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी दी। कार्यक्रम के द्वितिय सत्र को संबोधित करते हुए पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को कहा कि बूथ पर निरंतर प्रयास ही सफलता दिलायेगा। पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कांग्रेस का इतिहास बताया। श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष मो. शफी अहमद ने कार्यकर्ताओं को शासन की योजनाओं की जानकारी दी। किसानो का कर्जा माफ, बिजली बिल हाफ और अगामी सत्र में धान खरीदी की बढी मात्रा के साथ ही अपने विभाग के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक सीधे बीएलए और अनुभाग प्रभारियों से मुखातिब हुए। उनसे सीधा संवाद करते हुए उन्होंने मतदाताओं से संपर्क करने के तरीकों की जानकारी दी। सत्र के अंत में जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कार्यकर्ताओं के मध्य विगत साढ़े चार साल के दौरान सरगुजा संभाग में हुए विकास कार्यों के आंकड़ों से परिचित कराया। कार्यक्रम का संचालन अम्बिकापुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा द्वारा किया गया था। इस दौरान जिला कांग्रेस प्रभारी फुलकेरिया भगत, मो. इस्लाम, अरविंद सिंह, संजय विश्वकर्मा, रामविनय सिंह, हेमंत तिवारी, संध्या रवानी, मधु दिक्षित, सीमा सोनी, विनय शर्मा, दुर्गेश गुप्ता, सैयद अख्तर हुसैन आदि मंच पर मौजूद थे।

महिला मण्डल ने किया तीज महोत्सव का

-संवाददाता-
सूरजपुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

नगर की अग्रणी महिलाओं की सामाजिक संस्था अग्रवाल महिला मण्डल के द्वारा स्थानीय अग्रोहा भवन में तीज महोत्सव का आयोजन प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया गया। जिसमें मण्डल की अध्यक्ष विजया गर्ग व पदाधिकारियों व सदस्यों के द्वारा विभिन्न खेल व मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गये। परंपरागत रूप से संस्कृति के अनुरूप झूला डालकर महिलाओं ने झूला झूल सावन तीज महोत्सव का आनंद लिया और महिला मण्डल के द्वारा आहूत किए गये हाऊजी सहित विभिन्न प्रकार की खेल व प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। इस दौरान नवविवाहिताओं के लिए सावन सुंदर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। जिसमें परिधान व प्रश्नोत्तर के बीच सावन सुंदरी का निर्णय आयोजकों के द्वारा किया गया और स्तुति गोयल ने सावन सुंदरी होने का खिताब हासिल किया। जबकि दूसरे स्थान पर सुरभी गोयल व पूजा तायल तथा तीसरे स्थान पर शालू अग्रवाल रही। सभी विजयी प्रतियोगियों को अग्रवाल महिला मण्डल के द्वारा पुरस्कृत किया गया और सावन सुंदरी स्तुति गोयल को ताज पहनाकर महिला मण्डल ने उनका सम्मान किया। इस दौरान महिला मण्डल के द्वारा महोत्सव में विभिन्न प्रकार के खान-पान के स्टॉल भी लगाये गये थे। कार्यक्रम के दौरान लता गोयल, मीना अग्रवाल,नयनकला गर्ग, कमलेश गोयल, मीना गोयल,मीरा अग्रवाल ,आशा अग्रवाल, सोनुअग्रवाल, कनकलता गोयल ,सपना अग्रवाल ,उषा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सीमा गर्ग, पूजा अग्रवाल, रेखा गोयल, सुमन गोयल, नीतू अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, अंकिता गोयल, प्रज्ञा गोयल, सीमा अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल मंजूलता गोयल,काजल अग्रवाल ,मेघा अग्रवाल अदिति अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्रवाल महिला मण्डल, अग्रवाल महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच संस्कृति शाखा सहित नगर की अग्रज संस्थाओं की महिलाएं उपस्थित व सक्रिय थीं।

सर्पदंश से पीड़ित बालक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

दोस्त के साथ खेत में जा रहे बालक को रास्ते में सांप ने दंश लिया। परिजन परिजन उसे इलाज के लिए कुसमी अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार विरधन नगेशिया पिता भुवनेश्वर नगेशिया उम्र 6 वर्ष बलरामपुर जिले के सामारी थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्दाग का रहने वाला था। वह 18 अगस्त की सुबह अपने 12 वर्षीय दोस्त के साथ खेत में जा रहा था। रास्ते में नदी के पास उसे जाड़ा सांप ने दंश लिया। सांप के दंशते ही बालक अचेत हो गया। उसके साथी दौडक़र दोस्ते के पिता को घटना की जानकारी दी। परिजन पहुंचे और उसे इलाज के लिए कुसमी अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज भूगोल विभाग में दुर्लभ खगोलीय घटना जीरो शैडो डे पर हुआ कार्यक्रम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज अम्बिकापुर भूगोल विभाग में जीरो शैडो डे पर स्नातक व स्नातकोत्तर छात्राओं हेतु हुआ कार्यक्रम जिसकी की शुरुआत में विभागाध्यक्ष डॉ सीमा मिश्रा ने जीरो शैडो डे क्या है,इस दुर्लभ खगोलीय घटना के घटित होने के कारण व इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला ,विभाग के अन्य सा.प्रा सुश्री चंदा यादव व मनीषा राजवाड़े ने. विषय से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातें विद्यार्थियों से साझा की,विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए इस विषय पर अपने उदगार व्यक्त किये,सम्पूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सिस्टर शांत जोसेफ के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

सावन सुंदरी प्रतियोगिता में रीना रहीं प्रथम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

हरियाली तीज पर्व के उपलक्ष्य में कायस्थ समाज द्वारा चित्रगुप्त मंदिर में सावन उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि -कायस्थ समाज अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, संभागीय अध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, सचिव अनिल सिन्हा, महिला अध्यक्ष प्रमिला वर्मा, पुष्पा वर्मा, प्रभा सिन्हा सोनल सिन्हा कार्यक्रम संचालित समिति पूनम सिन्हा, दीप्ति सिन्हा, कीर्ति सिन्हा, दीपमाला वर्मा, आशा सिन्हा, आभा वर्मा कार्यक्रम में उपस्थित रहे। गयनेश सिन्हा, रिंकु वर्मा, राजीव सिन्हा अखिलेश सिन्हा, निशांत अम्बष्ठ मधवेश पाठक, अन्नपूर्णा सिन्हा, लीलावती सिन्हा, सोनाली सिन्हा, पिंकी श्रीवास्तव, रंजीता सिन्हा, रीता श्रीवास्तव, नीलू श्रीवास्तव, प्रतिमा श्रीवास्तव, अनूपमा श्रीवास्तव, रश्मि सिन्हा, स्वाति वर्मा, मधु श्रीवास्तव, सरोज श्रीवास्तव, नेहा अम्बष्ठ, संगीता वर्मा, सीमा सिन्हा, नीतू सिन्हा, सविता श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें सावन सुंदरी प्रतियोगिता सीनियर विजेता प्रथम रीना श्रीवास्तव, द्वितीय मधुलिका सिन्हा, तृतीय सीमा वर्मा रहीं। जूनियर में प्रथम भाविका वर्मा, द्वितीय असमी वर्मा, तृतीय-शिल्पी सिन्हा रहीं। कुर्सी दौड़ सीनियर में श्वेता श्रीवास्तव, नेहा अम्बष्ट प्रथम रुबी सिन्हा द्वितीय, संगीता मंदिरवार, सीमा वर्मा, रश्मि सिन्हा तृतीय, कुर्सी दौड़ जूनियर प्रथम- शिल्पी सिन्हा, द्वितीय अवंतिका सिन्हा, तृतीय भानवी वर्मा रहीं। बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम अन्वेशा वर्मा, द्वितीय अद्रिका वर्मा, प्रथम

छह माह बिल भुगतान नहीं होने पर भी मिलेगा लाभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 अगस्त 2023
(घटती घटना)

किन्हीं आर्थिक परेशानियों के कारण आप निरंतर बिजली बिल का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं, तब भी छह माह तक आपको बिजली बिल हाफ योजना का लाभ मिलता रहेगा। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा उर्जा विभाग का प्रभार सम्हालने के उपरांत विभाग की प्रथम बैठक में ही यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अम्बिकापुर शहरी और ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के बूथ एजेंटो के प्रशिक्षण शिविर में यह महत्वपूर्ण जानकारी श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शफी अहमद के द्वारा दी गयी है। अब तक की बिल वसूली व्यवस्था के अनुसार यदि उपभोक्ता 1 माह भी बिजली बिल के भुगतान से चूक जाते थे तो अगामी माह में उन्हें बिजली बिल हाफ योजना का लाभ नहीं मिल पाता था। इस नहीं व्यवस्था के अनुसार अब यह अवधि 6 माह की होगी।

अमेरिका में मृत पाए गए भारतीय दंपति और बेटा; दोहरी आत्महत्या या हत्या? जांच में जुटी पुलिस

न्यूयॉर्क,20 अगस्त 2023 । अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में शुक्रवार को एक भारतीय दंपति और उनका छह साल का बच्चा मृत पाया गया। पुलिस को आत्महत्या-हत्या का संदेह है। पुलिस ने बताया कि तीनों मृतक कर्नाटक के रहने वाले हैं और यहां बाल्टीमोर काउंटी में अपने घर में रह रहे थे।

मृतकों की पहचान योगेश एच. नागराजप्पा (37 वर्षीय), प्रतिभा वाई. अमरनाथ (37 वर्षीय) और यश होन्नाल (6 वर्षीय) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि बताया जा रहा है कि वे पति, पत्नी और बेटे हैं।

एक स्थानीय अखबार ने बाल्टीमोर काउंटी पुलिस के प्रवक्ता एंथनी शेल्टन के हवाले से कहा, %शुरुआती जांच के आधार पर माना जा रहा है कि नागराजप्पा ने दोहरी हत्या-आत्महत्या की है।% शेल्टन ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों को गोली लगी है।

पुलिस ने कहा कि परिवार के सदस्यों को आखिरी बार मंगलवार शाम को देखा गया था। उन्होंने कहा कि मौत की वजह का पता लगाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय द्वारा शव परीक्षण किया जाएगा। बाल्टीमोर काउंटी के कार्यकारी जॉनी ओल्सजेवस्की ने एक बयान में कहा,मैं उन निर्दोष मृतकों के लिए दुखी हूं। हम इस दुखद घटना के बाद परिवार और समुदाय के सदस्यों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। पुलिस ने कहा कि आसपास के समुदायों को कोई खतरा नहीं है।

नीदरलैंड और डेनमार्क का बड़ा फैसला, यूक्रेन को देंगे एफ-16 लड़ाकू विमान

एम्सटरडैम, 20 अगस्त 2023 । नीदरलैंड और डेनमार्क यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमान देंगे। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बारे में बताया। इससे पहले रूट ने नीदरलैंड के हवाई अड्डे पर जेलेंस्की से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कुछ शर्तें पूरी होने के बाद विमानों की आपूर्ति की जाएगी। यह एलान ऐसे वक्त किया गया है, जब दो दिन पहले ही नीदरलैंड और डेनमार्क ने कहा था कि अमेरिका ने उन्हें यूक्रेन को अमेरिकी निर्मित एफ-16 युद्धक विमान सौंपने के लिए अधिकृत किया है।

भीषण सड़क हादसा,डीजल ले जा रही पिकअप से टकराई यात्री बस,16 लोगों की जलकर मौत

इस्लामाबाद , 20 अगस्त 2023 । पाकिस्तान में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 15 अन्य घायल हैं। खबर के अनुसार, घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की है। जहां रविवार को एक यात्री बस पिक अप वाहन से टकरा गई। इससे आग लग गई। इस भयंकर हादसे में लोगों की जलकर मौत हुई और हालात ये हैं कि शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा।

क्या है मामला

पंजाब में पिंडी भटियान के नजदीक फैसलाबाद मोटरवे पर यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक यात्री बस में करीब 40 यात्री सफर कर रहे थे। रविवार सुबह करीब चार बजे यात्री बस आगे चल रहे एक पिकअप वाहन से टकरा गई। बस जिस पिकअप से टकराई, उसमें डीजल के ड्रम रखे हुए थे, जिसकी वजह से टक्कर होते ही आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लोगों को बचने का मौका नहीं मिला और कई लोग आग की चपेट में आ गए।

जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक 16 लोगों की जलकर मौत हो गई और 15 अन्य घायल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर है, जिसके चलते मरने वालों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। घायलों का पिंडी भाटियान और फैसलाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों का कहना है कि शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। बता दें कि पाकिस्तान में सड़क हादसे आम बात हैं और वहां आए दिन किसी ना किसी बड़े सड़क हादसे की खबरें सामने आती रहती हैं।

ईरान पहुंचा भारतीय नौसेना का पोत आईएनएस त्रिकंद तीन दिवसीय कुवैत प्रवास पर INS विशाखापत्तनम

बंदर अब्बास (ईरान) , 20 अगस्त 2023 । भारतीय नौसेना के पोत आईएनएस त्रिकंद का रविवार को ईरान के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि यह जहाज क्षेत्रीय देशों के साथ सहयोगात्मक समुद्री जुड़ाव की दिशा में भारतीय नौसेना की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में ईरान की यात्रा पर है।

प्रवक्ता ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा, आईएनएस त्रिकंद क्षेत्रों देशों के साथ सहयोगात्मक समुद्री जुड़ाव की दिशा में भारतीय नौसेना की परिचालन तैनाती के हिस्से के रूप में बंदर अंब्बास, ईरान की यात्रा पर है। आईआरआईएन के कमांडर प्रथम जिले ने जहाज का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह भारत और ईरान के बीच दोस्ती का पुल है।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत-ईरान संबंध सदियों से सार्थक बातचीत पर आधारित हैं। भारत और ईरान ने 15 मार्च, 1950 को राजनयिक संबंध स्थापित किए। तेहरान के अलावा भारत के ईरान में दो दूतावास हैं-एक बंदर अब्बास में और दूसरा जाहेदान में।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी से बात की और चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता को साकार करने पर चर्चा की। मोदी ने ट्वीट किया,%ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी से कल बात करके खुशी हुई। हमने चाबहार बंदरगाह की पूरी क्षमता को साकार करने सहित द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रपति रईसी से मुलाकात को लेकर आशान्वित हूं।

फोन पर बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि ईरान और भारत के बीच संबंध घनिष्ठ ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा,%प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-ईरान संबंध ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं, जिसमें लोगों के बीच मजबूत संपर्क भी शामिल है।

अल-शुवैख बंदरगाह पर रुका आईएनएस विशाखापत्तनम

उधर, भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस विशाखापत्तनम कुवैत में तीन दिवसीय प्रवास के तहत रविवार को अल-शुवैख बंदरगाह पर रुका। आईएनएस विशाखापत्तनम की यात्रा कुवैत में भारतीय समुदाय के लिए नई संभावनाओं के दरवाजे खोलेगी।

कुवैत में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि शुवैख बंदरगाह पर आईएनएस विशाखापत्तनम के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान जहाज के दौरे और चालक दल की बातचीत सकारात्मकता फैलाएगी।

दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में बढ़ रही बेरोजगारी,युवाओं का कहना-रात भर सो नहीं पाते

बीजिंग,20 अगस्त 2023 । दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश में लगातार युवा बेरोजगार हो रहे हैं। इससे लोगों में चिंता पैदा हो गई है। वहीं, युवाओं में अपने भविष्य को लेकर तनाव देखा गया है। इससे उनकी रातों की नींद उड़ गई है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चीन में केवल जून में ही 16 से 24 वर्ष की आयु के 21.3 प्रतिशत लोग बेरोजगार हो गए हैं। यह आंकड़ा हर महीने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है।

बुरा पड़ रहा असर

हाल ही में, मनोविज्ञान में स्नातक पूरा करने वालीं झांग ने अपने चुने हुए क्षेत्र में नौकरी पाने के लिए कई हजारों सीवी भेजे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। 23 साल की झांग ने कई महीनों तक नौकरी तलाशी, लेकिन वह असफल रहीं। इसका उनपर बुरा असर पड़ा।

झांग ने इस सप्ताह के अंत में बीजिंग में एक भर्ती मेले में पत्रकारों को बताया कि पढ़ाई पूरी होने के बाद भी नौकरी नहीं मिली। उन्होंने कहा कि इसका दिमाग पर बहुत गंदा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि मैं कितने भी सीवी भेज दूं, मुझे उसका एक ही जवाब मिलता है।

शनिवार को हुआ था भर्ती मेला आयोजित

बता दें, ऐसा नहीं है कि यह कहानी सिर्फ एक-दो युवा की है। ऐसे कई युवाओं ने इसी तरह की बात बताई। शमिवार को बीजिंग में भर्ती मेला आयोजित किया गया था, जिसमें उपस्थित लोगों ने चुनौतीपूर्ण हालातों के बारे में बताया।

सैलरी भी नहीं दे रहे

मीडिया में अनुभव रखने वाले 21 वर्षीय बेरोजगार यांग याओ ने बताया कि नौकरी नहीं मिलने के कारण हर रात वह चिंता में रहते। वह सोचते हैं कि अगर नौकरी नहीं मिली तो जीवन-यापन कैसे करूंगा। याओ का कहना है कि वह इस चिंता की वजह से रात भर नहीं सो पाते हैं। अगर कहीं विकल्प दिया भी जाता है तो सैलरी काफी कम देने की बात करते हैं।

मंदी के हालात!

चीन ने हाल के महीनों में कई संकेतक जारी किए हैं, जो देश में कोविड के बाद मंदी की ओर इशारा कर द्वरहे हैं। कहा जा रहा है कि कम उपभोक्ता मांग के कारण कंपनियां लोगों को काम पर नहीं रख रही हैं।

पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में बम विस्फोट,11 मजदूरों की मौत,दो घायल

इस्लामाबाद,20 अगस्त 2023 । पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान के गुलमीर कोट इलाके में बम विस्फोट में 11 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान में शनिवार को एक वैन में बम विस्फोट किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिलहाल किसी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें, कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के बाजौर में एक राजनीतिक रैली में आत्मघाती विस्फोट में 63 लोग मारे गए थे। इस्लामिक स्टेट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

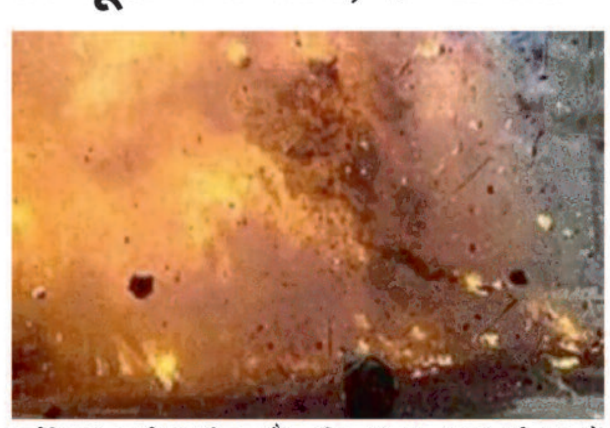

यह है मामला

उपायुक्त रेहान गुल खट्टक ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार को शवाल तहसील में गुल मीर कोट के पास विस्फोट कर 16 मजदूरों को ले जा रहे एक वाहन को उड़ा दिया। एक निर्माणाधीन सरकारी इमारत में काम करने वाले कम से कम 11 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए और तीन लापता हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी वजीरिस्तान तहसील माकिन और वाना के घायलों और मृतकों के शवों को पास के अस्पताल में ले जाया गया है। वहीं, लापता श्रमिकों की पहचान करने और उनका पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

खैबर-पख्तूनख्वा में गोलीबारी में दो आतंकवादियों की मौत

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले में एक खुफिया ऑपरेशन के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने बताया कि 18-19 अगस्त की रात में आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया गया था। इस दौरान दोनों ओर से गोलीबारी हुई और सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया।

कराची में पुलिसकर्मी की मौत

कराची के शराफी गोथ के पास अल्लाहदाद ग्राउंड में अज्ञात हमलावरों ने एक पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिसकर्मी की पहचान जाहिद के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, हमलावर बाइक पर आए थे, जिन्होंने पुलिस अधिकारी पर गोली चला दी।

'रात में मेरी बेटी का किया अपहरण', पूर्व मंत्री शिरीन मजारी ने पुलिस कर्मचारियों पर लगाया बड़ा आरोप

इस्लामाबाद , 20 अगस्त 2023। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पूर्व नेता और संघीय मंत्री शिरीन मजारी ने आरोप लगाया कि सादे कपड़े पहने पुलिस कर्मचारियों और कुछ अन्य लोगों ने रविवार रात को उनकी बेटी का अपहरण कर लिया।

राज्य फासीवाद का कृत्य करार

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों और कुछ लोगों ने रातभर उनकी बेटी इमान जैनब मजारी-हाजिर के घर पर छापेमारी की। उसके बाद उसका अपहरण कर लिया। मजारी ने इसे राज्य फासीवाद का कृत्य करार दिया है।

घर का दरवाजा तोड़ा

मजारी ने आरोप लगाया कि कर्मचारी घर में दरवाजा तोड़कर घुसे। उन्होंने आगे कहा कि रात भर की कार्रवाई के दौरान, पुलिस कर्मियों ने न केवल इमान को गिरफ्तार किया, बल्कि सुरक्षा कैमरे, उसका लैपटॉप और फोन भी जब्त कर लिया।

हर कोने की तलाशी

पूर्व पीटीआई नेता ने दावा किया कि जब उन्होंने घर में घुसे लोगों से पूछा कि वो चाहते क्या हैं। इस पर उन्होंने इमान को खींच लिया और उसके घर के हर कोने की तलाशी लेने लगे। उन्होंने कहा कि जब इमान को पुलिस कर्मचारी ले गए तो वह अपनी नाइटड्रेस में थीं। उन्होंने अपनी बेटी के कपड़े बदलने के लिए कुछ समय देने का भी अनुरोध किया, लेकिन उन लोगों ने एक नहीं सुनी।

मजारी ने कहा कि कर्मियों ने कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया। इतना ही नहीं, जब घर पर छापेमारी की गई उस दौरान घर में सिर्फ दो महिलाएं थीं।

हिंसा के बाद छोड़ दी पार्टी

प्रमुख पीटीआई नेता और पूर्व संघीय मंत्री शिरीन मजारी ने 9 मई की हिंसा के मद्देनजर पीटीआई और राजनीति छोड़ दी थी। गौरतलब है, हिंसा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़की थी।

रूस का चांद पर पहुंचने का सपना टूटा,क्रैश हुआ लूना-25; जानें एजेंसी ने क्या बताई वजह

मॉस्को , 20 अगस्त 2023 । रूस का लूना-25 मिशन चांद पर क्रैश हो गया है। रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कॉस्मॉस ने इसकी जानकारी दी है। गौरतलब है कि लूना-25 अंतरिक्ष यान में एक दिन पहले तकनीकी खराबी आ गई थी।

रूस के अंतरिक्ष निगम रोस्कोस्मोस ने कहा कि रूस का लूना-25 अंतरिक्ष यान अनियंत्रित कक्षा में घूमने के बाद चंद्रमा से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। रोस्कोस्मोस ने एक दिन पहले बताया कि लैंडिंग से पहले ऑर्बिट बदलते वक्त आसामान्य स्थिति आ गई, जिस वजह से लूना-25 ठीक ढंग से ऑर्बिट बदल नहीं सका। यह स्थिती तब उत्पन्न हुई थी जब सोमवार के लिए नियोजित टचडाउन से पहले ... की कोशिश की गई।

स्पेस एजेंसी ने बताया कि विशेषज्ञ अचानक आई दिक्कत से निपटने में फिलहाल असफल रहे। वे लगातार इसपर काम कर रहे हैं। इससे पहले रूसी एजेंसी ने कहा था कि लूना 21 अगस्त को चांद की सतह पर लैंड करेगा।

लूना-25 अंतरिक्ष यान में आई तकनीकी खराबी

इससे पहले, शनिवार को रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस ने पुष्टि की थी कि रूस के लूना-25 अंतरिक्ष यान में तकनीकी खराबी आ गई है। रोस्कोस्मोस ने शनिवार को बताया कि लैंडिंग से पहले ऑर्बिट बदलते वक्त आसामान्य स्थिति आ गई, जिस ...

एजेंसी ने बताया कि विशेषज्ञ अचानक आई दिक्कत से निपटने में फिलहाल असफल रहे। वहीं, इससे पहले संभावना जताई जा रही थी कि लूना 21 अगस्त को चांद की सतह पर लैंड करेगा।

चंद्रमा के जीमन की भेजी थीं तस्वीरें

रोस्कोस्मोस ने बताया था कि लूना-25 ने चांद के जमीन क्रेटर की ... गहरा गर्त है, जिसका व्या 190 किमी और गहराई आठ किमी है। एजेंसी का कहना है कि लूना-25 से अबतक प्राप्त डाटा से चांद की मिट्टी में रासायनिक तत्वों के बारे में जानकारी मिली है।

'लूना-ग्लोब' दिया गया मिशन का नाम

रूसी मीडिया के अनुसार, शुक्रवार 11 अगस्त को सुबह 4.40 बजे रूस के वोस्तोनी कॉस्मोड्रोम से लूना- 25 लैंडर की लॉन्चिंग हुई थी। लूना- 25 को सोयुज 2.1 बी रॉकेट में चांद पर भेजा गया है। इसे लूना-ग्लोब मिशन का नाम दिया गया है। रॉकेट की लंबाई करीब 46.3 मीटर है, वहीं इसका व्यास 10.3 मीटर है। ... ओर निकल चुका है। पांच दिनों तक यह चांद की तरफ बढ़ेगा। इसके बाद 313 टन वजनी रॉकेट 7-10 दिनों तक चांद का चक्कर लगाएगा।

चंद्रयान- 3 से पहले रूस कर सकता है चांद पर लैंड

उम्मीद जताई जा रही थी कि लूना-25 21 या 22 अगस्त को चांद की सतह पर पहुंच जाएगा। वहीं, चंद्रयान-3 भारत ने 14 जुलाई को लॉन्च किया था, जो 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा। लूना- 25 और चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने का समय करीब-करीब एक ही होने वाला था। लूना कुछ घंटे पहले चांद की सतह पर लैंड करता। रूस इससे पहले 1976 में चांद पर लूना-24 उतार चुका है। विश्व में अबतक ...

राष्ट्रपति की दौड़ में शामिल भारतीय मूल के इस नेता की लोकप्रियता में इजाफा, दे रहे ट्रंप को सीधी टक्कर

वॉशिंगटन, 20 अगस्त 2023 । भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी की लगातार लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इस बात का खुलासा हाल ही में हुए एक सर्वे से हुआ है। दरअसल, सर्वे में फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और रामास्वामी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे स्थान पर बराबरी पर बताए गए हैं।

लोकप्रियता में भारी गिरावट

इमर्सन कॉलेज के सर्वेक्षण में दिखाया गया कि डेसेंटिस और रामास्वामी 10-10 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। हालांकि, यह लोग पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पीछे हैं, जो 56 प्रतिशत के साथ आगे हैं। भारतीय मूल के नेता की लोकप्रियता ... साथ दूसरे स्थान पर थे। अब उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। वह वर्तमान में 10 प्रतिशत पर हैं। वहीं, रामास्वामी दो फीसदी से बढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

वोटरों का यह कहना

सर्वेक्षण में यह भी खुलासा किया गया है कि रामास्वामी को समर्थन करने वाले स्पष्ट हैं कि वोट उन्हें ही देना है। जबकि वहीं, डिसेंटिस को अस्थिर समर्थन मिला है। बता दें, ... उन्हें ही वोट देंगे, जबकि डेसेंटिस समर्थकों में से केवल एक तिहाई ने यह आश्वासन दिया।

ट्रंप के इतने समर्थक

इस बीच, 80 फीसदी से ज्यादा ट्रंप समर्थकों ने कहा कि वे निश्चित तौर पर पूर्व राष्ट्रपति को वोट देंगे। इमर्सन कॉलेज के सर्वेक्षण के कार्यकारी निदेशक स्पेंसर किमबॉल ने कहा कि रामास्वामी ने स्नातकोत्तर डिग्री वाले मतदाताओं का विश्वास जीतने में सुधार किया है।

अगस्त में हुआ सर्वे

बता दें, सर्वे 16-17 अगस्त तक 1000 पंजीकृत मतदाताओं के बीच आयोजित किया गया था, जिसमें 465 मतदाता भी शामिल थे। इन्होंने कहा था कि वे अपने राज्य के रिपब्लिकन प्राइमरी या ...

अपर सत्र न्यायाधीश मनेंद्रगढ़ की अदालत का आया बड़ा फैसला,प्रेमिका की हत्या कर फांसी पर लटकाने वाले प्रेमी को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

- तत्कालीन थाना प्रभारी आनंद सोनी द्वारा की गई विवेचना/जाँच के आधार पर शातिर प्रेमी को मिली सजा
- जनकपुर थाना क्षेत्र में 28 व 30 मार्च 2019 की थी घटना
- गवाहों के मुकदमे के बाद सिर्फ पुलिस के साक्ष्य पर हुई सजा
- पिता ने दो दिन पहले गुमशुदगी की रिपोर्ट कराई थी जज तीसरे दिन पेड़ पर लटका मिला था बेटी का शव
- घर वाले को भी पता था है प्रेम प्रसंग जिसके आधार पर पुलिस पहुंची आरोपी तक
- घरवालों का शक था प्रेमी पर आखिर वही निकला बेटी का हत्यारा

- संवाददाता -
एमसीबी,20 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

हत्या व दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश मनेंद्रगढ़ की अदालत से आया बड़ा फैसला प्रेमी की हत्या कर फांसी पर लटका देने वाले प्रेमी को घटना के 4 साल बाद सुनाया गया आजीवन कारावास की सजा। इस फैसले के बाद मृतिका के घर वाले को मिला न्याय, इस फैसले के बाद लोगों की न्यायालय से बढ़ी उम्मीद। प्रेमिका ने घटना को तब अंजाम दिया था जब प्रेमिका स्कूल से पेपर देकर घर लौट रही थी तब उसका गला दबाकर उसकी हत्या की और उसे पेड़ में लटका दिया गया था। पुलिस की निष्पक्ष विवेचना से मिला न्याय। पिता जब बेटी परीक्षा देकर घर नहीं लौटी तो थाने में 28 मार्च 2019 को दर्ज कराया गुमशुदगी की रिपोर्ट, 30 मार्च 2019 को पेड़ पर झूलती मिली बेटी का शव।

जानकारी के अनुसार मृतिका के पिता जब बेटी परीक्षा देकर घर नहीं लौटी तो उन्होंने जनकपुर थाने में 28 मार्च 2019 को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई 30 मार्च को 2019 को ग्राम जनकपुर के फुलझर नल के जंगल में सराई के पेड़ पर लड़की मिली मृतिका, इसके बाद पुलिस को सूचना दिया गया और फिर वहां से जांच तेज हुई, थाना प्रभारी आनंद सोनी के पास इस हत्या की विवेचना थी और वह इस मामले को बड़ी बारीकी से देख रहे थे, जब पुलिस को शव मिला था उस समय उस जगह पर मृतिका के प्रश्न पेपर व बैग के साथ हत्या करने वाले आरोपी का जूता भी बरामद हुआ था, वही घर वाले ने हत्या की आशंका मृतिका के प्रेमी पर जताई थी और वही अंतिम बार मोबाइल दुकान वाले ने उसे उसके साथ जाते देखा था, जिसके आधार पर पुलिस प्रेमी को ढूंढ कर लाई और फिर पूरे मामले का खुलासा हुआ, मामला काफी पेचीदा था क्योंकि प्रथम दृष्टि में आरोपी की पहचान नहीं हो पाई थी पर पुलिस की विवेचना में आरोपी की पहचान तब हुई जब आरोपी 28 मार्च को प्रेमिका के साथ मोबाइल दुकान मोबाइल लेने गया था तब उसने देखा था, तब पुलिस का संदेह हकीकत में बदल गया था की हो ना हो वही हत्यारा है। क्योंकि पोस्टमार्टम में डॉक्टर ने भी पुलिस ने भी यह बता दिया था कि मारने के बाद उसे फांसी पर लटकाया गया है, जिसके बाद यह

तय हो गया था कि यह आत्महत्या नहीं हत्या है।

पहले गुमशुदगी फिर हत्या का रिपोर्ट थाने में हुआ दर्ज

जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रकाश नारायण गुप्ता पिता राम नारायण गुप्ता उम्र 46 वर्ष निवासी देवगढ थाना जनकपुर जिला कोरिया (छ.ग.) ने जनकपुर थाने पहुच शिकायत दर्ज कराया की दिनांक 28/03/2019 को प्रातः 06/30 बजे जनकपुर कालेज परीक्षा देने के लिये छोड़ा था, बाद लड़की घर वापस नहीं गई तब दिनांक 28/03/19 को ही थाना जनकपुर में गुम इं0 क्र0 13/19 दिनांक 28/03/19 के 20/10 बजे कायम कराया था, जिसके बाद दिनांक 30/03/19 को प्रातः ग्राम जनकपुर फूलझर नाला के पास लड़की प्रज्ञा गुप्ता का शव सरई पेड़ डगाल में काला रंग स्टाल से फांसी में लटकी मिली थी। घुटना जमीन पर टिक गया था, गुम इंसान क्र. 13/19 कुमारी प्रज्ञा गुप्ता का शव फांसी लगा मिला है कि सूचक के रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर जांच पंचनामा कार्यवाही किया गया था। प्रथम सूचना पत्र के अनुसार थाना जनकपुर के मर्ग क्रमांक 07/19 धारा 174 जा.फौ कि मृतिका कुमारी प्रजा गुप्ता का मर्ग जांच शव पंचनामा कार्यवाही किया गया था। सूचक, गवाहन, वारिशान का कथन लिया घटना स्थल शव निरीक्षण किया बाद मृतिका के शव का पीएम कराया गया। डॉक्टर ने शार्ट पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बता की के सभी सबूत यह सुझाव दे रहे हैं कि मौत का कारण दम घुटना है जो गला घोंटने कारण हो सकता है। प्राकृतिक मृत्यु का कोई अन्य प्रमाण नहीं मिला है। आखरिकार हम इस राय पर पहुँचे कि मृत्यु की प्रकृति मानव वधात्मक है। विसरा और अन्य आवश्यक नमूने और वस्तुएँ संरक्षित कर ली गई हैं और आगे की फोरेंसिक जांच के लिए एफएसएल को भेजा गया था जिसमे मानव शुक्राणु पाया गया था।

प्रेमिका के घर के सामने ही रहता था प्रेमी

प्रेमिका के घर के सामने ही रहता था प्रेमी और यह बात प्रेमिका के घर वालों को भी थी पता, जिसके बाद प्रेमिका के साथ घर वालों ने डांट फटकार की इसके बाद वह वहां से चला गया पर कुछ दूर में घर लेकर रह रहा था और मुलाकात हो ती रहती थी, जिस दिन प्रेमिका गुम हुई उसे दिन वह अपना मोबाइल बनने के लिए दिया था और प्रेमी को कहा था कि आते वक्त मोबाइल लेते आना पर मोबाइल दुकान वाले ने उसे यह कह कर मोबाइल नहीं दिया की जिसका मोबाईल है उसे ही दूंगा, जिसके बाद प्रेमिका प्रेमी के साथ बाइक में बैठकर आई और मोबाइल लेकर चली गई, सिर्फ वही क्षण था जब मृतिका को प्रेमी के साथ देखा गया था, जहां से उसकी पहचान हुई और पुलिस ने उसके घटना स्थल से बरामद हुए जूते की भी जांच कराई तब जाकर यह साबित हो गया कि घटना स्थल पर पाया गया जूता भी प्रेमी का था जो हत्यारा था, हत्यारे का नाम विवेक पांडे बताया जा रहा है जो एमपी के सीधी जिले का था जिसे बचाने के लिए उसके घर वाले ने काफी प्रयास किया पर पुलिस के एविडेंस के सामने उसे नहीं बचाया जा सका अन्यथा उसे सजा हुई।

पुलिस के साक्ष्य पर हुई सजा

सूत्रों की माने तो जिस व्यक्ति ने गवाही दी थी कि मैंने अंतिम समय उसे देखा है वह अपने बयान से पलट गया था पर पुलिस के पास इतने सारे एविडेंस थे जो आरोपी को सजा देने के लिए पर्याप्त थे, पुलिस के पास फॉरेंसिक जांच की रिपोर्ट थी साथ ही उसके साथ दुष्कर्म हुआ है वह भी जांच में आ चुका था, मानव शुक्राणु मृतिका में पाया गया था, वहीं मृतका के शरीर पर आरोपी के नाखून के निशान भी थे जो यह बता रहे थे कि उसके साथ बर्बरता हुई है। थाना प्रभारी आनंद सोनी की विवेचना वाले मामले में कई लोगों को सजा हुई, उसमें से एक सजा यह भी है ऐसा मान्य जाने लगा है कि यदि पुलिस निष्पक्षता के साथ जांच की जाए तो न्याय जरूर मिलेगा आखिर एक बार और निष्पक्षता की जांच का नतीजा है कि उनके विवेचना पर एक आरोपी को और सजा हुई, आनंद सोनी एविडेंस जुटाने में काफी माहिर है जिस वजह से कई बार गवाहों के मुकरने के बावजूद उनके जुटाए एविडेंस पर सजा हुई है क्योंकि न्यायालय भी बिना एविडेंस के सजा नहीं सुनता।

सोशल मीडिया सर्वे में पिछड़े पूर्व मंत्री भईयालाल...भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने बनाई बढत...क्या विधानसभा में भी आएगा ऐसा ही परिणाम?

- देवेन्द्र तिवारी 500 मत भी नही जुटा सके,सोशल मीडिया में हो रहे सर्वे से गर्म हुई क्षेत्र की राजनीति

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,20 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अब सभी राजनैतिक पाटियों ने कमर कस लिया है, प्रत्याशी चयन का क्रम भी शुरू हो गया है, पार्टियां अपने अपने स्तर पर प्रत्याशियों की स्थिति जानने के लिए सर्वे भी करा रही हैं तो वहीं एक सर्वे इन दिनों बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में भी जमकर वायरल हो रहा है लगभग हर वाट्सअप पर तैर रहा यह सर्वे काफी दिलचस्प हो चुका है,सर्वे में पूर्व मंत्री भईयालाल रजवाड़े से लेकर वर्तमान संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव का नाम भी शामिल किया गया है। भाजपा के अन्य दावेदार भी सर्वे में शामिल हैं तो वहीं कांग्रेस के भी दावेदारों को इसमें शामिल किया गया है। आगामी आगामी 3 माह बाद नवंबर में होने जा रहे छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा सीट के लिए चुनाव में अब राजनीतिक माहौल बनना शुरू हो गया है , पहले चरण में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश के 21 विधानसभा सीटों के लिए अपने प्रत्याशियों की पहली सूची डालकर सभी को चौका दिया है।

पिछले 15-20 दिनों से यह सर्वे सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है लगभग वाट्सअप नंबर पर पहुंच चुके इस सर्वे पर यदि नजर डाली जाए तो रविवार दोपहर तक इसमें कुल 2655 लोगो द्वारा वोट डाले गए हैं जिसमें सर्वाधिक मत भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे को प्राप्त हुए उन्हे 43.31 प्रतिशत के साथ 1150 मत मिले हैं जबकि पूर्व मंत्री भईयालाल रजवाड़े 32.39 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर पहंच गए हैं,इस प्रकार से जिला उपाध्यक्ष ने सर्वे में पूर्व मंत्री को पीछे छोड़ दिया है। भाजपा के एक अन्य दावेदार देवेन्द्र तिवारी की लोकप्रियता बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में इस सर्वे के आधार पर मात्र 17.4प्रतिशत पर आकर रूक गई है उन्हे 462 लोगो ने वोट किया है। संसदीय सचिव और बैकुंठपुर की वर्तमान विधायक अंबिका सिंहदेव को 1 प्रतिशत मात्र 44 लोगो ने वोट किया है। जबकि कांग्रेस की टिकट पर दो बार चुनाव लड़ चुके जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांति तिवारी को 2 प्रतिशत लोगो ने वोट किया है और उन्हे 71 वोट मिले हैं। भाजपा नेता रेवा यादव को 31 वोट,आशा महेश साहू को 18 वोट,अनिल जायसवाल को 19 वोट मिले हैं। उक्त सोशल मीडिया सर्वे को यदि आधार माना जाए तो देखने मे मिलता है कि बैकुंठपुर क्षेत्र में जनता इन दावेदारों के बीच इस बार भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे को काफी पसंद कर रही है। और उन्हे अपने विधायक के रूप में देखना चाहती है। हलांकि यह मात्र सोशल मीडिया सर्वे है और इसकी विश्वसनीयता पर कुछ कहा नही जा सकता लेकिन इतना तय है कि भाजपा में भईयालाल रजवाड़े को इस बार जनता ही नही बल्कि कार्यकर्ता भी नकारते हुए दिखलाई दे रहे हैं। लोग नए प्रत्याशी के तौर पर शैलेष शिवहरे को पसंद कर रहे हैं,ऐसे सर्वे का आगामी समय में टिकट वितरण पर भी असर पड़ सकता है। यह सर्वे कितना सही है या गलत यह कुछ कहा नहीं जा सकता, लेकिन चुनावी फिजा में इस प्रकार का सर्वे लोगो के लिए दिलचस्प बना हुआ है। यहां बताना जरूरी है कि बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में मुख्य मुकाबला कांग्रेस व भाजपा के बीच ही है, कांग्रेस से एक ओर जहां वर्तमान विधायक अंबिका सिंहदेव के साथ वेदांती तिवारी, योगेश शुक्ला, अनिल जायसवाल, संगीता राजवाड़े, आशा साहू, अनिल जायसवाल, अशोक जायसवाल दावेदार हैं तो वहीं भाजपा से पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े के साथ जिला उपाध्यक्ष शैलेश शिवहरे, देवेंद्र तिवारी ही प्रमुख दावेदार हैं। भाजपा ने पहले चरण में 21 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है जिसमे कोरिया जिले के पटना क्षेत्र की निवासी लक्ष्मी राजवाड़े को भटगांव विधानसभा से टिकट दिया गया है, ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि पार्टी बैकुंठपुर में इस बार नया चेहरा उतार सकती है। अंदरूनी खबरों के मुताबिक पार्टी यहां से ओबीसी चेहरे की तलाश में है, साहू समाज भी टिकट के लिए प्रयासरत है।

ससुराल के दहेज प्रताड़ना से परेशान नवविवाहिता ने दी अपनी जान

- ससुराल के प्रताड़ना से परेशान होकर नवविवाहिता ने लगा ली फांसी
- पटना थाना कटकोना कॉलरी का मामला

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,20 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पत्रकार अजीम अंसारी की बेटी ने ससुराल के प्रताड़ना से तंग आकर फांसी लगा लिया, जिसके बाद पटना थाने में ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज हुआ और उन्हें जेल भेज दिया गया। ससुराल पक्ष की प्रताड़ना कोई नई बात नहीं पर आज भी समाज में प्रताड़ना की वजह से कई बार नवयुवक युक्ति गलत निर्णय ले लेते हैं और पीछे समस्या छोड़ जाते हैं एक बार फिर कुछ ऐसा ही हुआ प्रताड़ना परेशान नवविवाहिता ने जान गवाना जरुरी समझा।

मिली जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के अंतर्गत पटना थाना अंतर्गत आने वाला काटकोना कालरी का मामला सामने आया है आपको बता दें कि एक नवविवाहिता ने ससुराल पक्ष से तंग आकर आखिरकार अपने ही घर के मेयार में अपने स्वयं के दुपट्टे से फंदा बनाकर अपनी जान दे दी, आपको बता दें कि अभी बिगत 3 वर्ष पूर्व ही आलिया की शादी बिलासपुर खपरगंज के कबाड़ि व्यवसाय जुनैद से हुआ था जब से शादी हुई थी तभी से दहेज प्रताड़ना की शिकायत आ रही थी, इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कोरिया से लिखित शिकायत की गई थी जिसे महिला सेल में केस को ट्रांसफर

कर दिया गया था, लोगों की माने तो काउंसलिंग भी एक बार किया गया था जिसमें लड़की जाने को तैयार हो गई थी पर उसे यह कहा गया कि अगली बार काउंसलिंग में जब आना तो अपना कपड़ा वगैरह सब लेकर आना और इसके बाद जुनेद तुम्हें लेने आएगा और चले जाना और आलिया तैयार भी हो गई थी, लेकिन दूसरी काउंसलिंग हुआ ही नहीं जुनेद या उसके परिवारवाले आज तक उसे लेने नहीं आए फिर उनके खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला वहीं से दर्ज हुआ, इस संबंध में कई बार बिलासपुर नोटिस भेजा गया, पर वह नहीं मिला और उसे दोबारा किसी तरह की कोई भी संपर्क पुलिस विभाग को भी नहीं हो पाया इधर आलिया दूसरी काउंसलिंग का इंतजार करती रही, क्योंकि उसके मन में अपने पति जुनैद को लेकर कहीं ना कहीं अपेक्षाएं थीं, क्योंकि उसे एक बच्ची भी है जब इस घटना को 6 माह बीत गए, आपको बताते चलें कि पहला काउंसलिंग लगभग फरवरी में हुआ था जब जुनैद नहीं आया और उधर से कोई भी सार्थक जवाब नहीं मिलने से आलिया अंदर ही अंदर अपने गम को अकेला झेलती रही, आखिरकार जब वह अपने ऊपर किए हुए प्रताड़ना और लगातार दहेज की मांग को सहन नहीं कर पाई तो यह कदम उठा ली क्योंकि उसे लगा कि शायद अब मेरे लिए उसके दिल में कोई जगह बाकी नहीं है, क्योंकि आलिया ने आखिर वक्त में अपनी सहेली से कुछ दिन पूर्व कुछ बातें शेयर की थी, जिसमें जुनेद की अफेयर की भी बातें सामने आ रही थी और इस संबंध में कई बार घरेलू स्तर पर बातचीत कर समझाने के प्रयास भी किया गया था, आखिरकार दहेज लोभियों से तंग आकर उसने जो रास्ता अपनाई उसके पास कोई और रास्ता उसके हिसाब से नहीं बचा था तो उसने अपनी जान देना ही बेहतर समझी और इसमें वह सफल भी हो गई पर अफसोस की बात यह है कि उसकी एक 25 माह की बेटी है कितनी डिप्रेशन में रही होगी कि वह अपनी बेटी के बारे में भी नहीं सोच पाई इधर पटना पुलिस ने इस घटना के बाद मृत शरीर को अपने कब्जे में लेकर पीएम के बाद घर वाले को सपुरद कर दिया था, जानकारी के अनुसार इस घटना का जिम्मेदार ससुराल पक्ष वालों को मानते हुए पटना पुलिस ने 304 बी के तहत दहेज मृत्यु का मामला दर्ज कर तीन लोगों को बिलासपुर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है सास ससुर पति तीनों के ऊपर दहेज मृत्यु दफा 304 बी के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े के टिकट कटने की संभावनाओं को लेकर वर्तमान विधायक समर्थकों में खुशी की लहर...

- भाजपा से छत्तीसगढ़ राज्य के 21 प्रत्याशियों की सूची आने के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री के टिकट कटने की संभावनाओं के चर्चे आम।
- क्या सही में पूर्व कैबिनेट मंत्री का टिकट कट सकता है...टिकट कटने से कांग्रेस को फायदा या बढ़ जाएगी निर्दलीय प्रत्याशी की संभावना?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,20 अगस्त 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव की तारीख तय नहीं हुई और लगभग दो महीने पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में कुछ विधानसभा सीटों पर अपने विधायक प्रत्याशी तय कर कांग्रेस को झटका दे दिया, किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि भारतीय जनता पार्टी कुछ ऐसा करेगी अचानक ही विधायक प्रत्याशियों की सूची जारी होने पर कांग्रेस भी आश्चर्यचकित दिखाई दी, वही टिकट देने के तरीके को लेकर कई तरह के फॉर्मूले भी देखने को मिले, छत्तीसगढ़ में अधिकांश नए चेहरों को मौका दिया गया, रामविचार नेताम सहित कोरबा से लखनलाल देवांगन को दोबारा मौका मिला वहीं लखनलाल देवांगन का सीट बदल दिया गया, छत्तीसगढ़ के 21 विधानसभा की सूची में अविभाजित कोरिया जिले के तीन विधानसभा से कौन कौन उम्मीदवार होंगे यह अभी घोषित नहीं हुआ, लेकिन पड़ोसी जिला सूरजपुर के एक विधानसभा में राजवाड़े समाज से भटगांव विधानसभा में प्रत्याशी चुने जाने के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े के टिकट कटने की संभावना की चर्चा शुरू हो गई, यह कहा जाने लगा कि भटगांव में राजवाड़े समाज को टिकट चूंकि मिल गया है और संभाग में एक टिकट चूंकि राजवाड़े समाज से मिल गया है तो बैकुंठपुर में समाज से टिकट मिलना अब मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है ऐसा कहा जाने लगा है, जिस वजह से देवेंद्र तिवारी का बैकुंठपुर विधानसभा में टिकट फाइनल माना जा रहा है पर अभी यह संभावना है अभी तक लिस्ट जारी नहीं हुई है। पर संभावनाओं के बाजार में पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े के टिकट न मिलने को लेकर वर्तमान विधायक खेमे में खुशी की माहौल है और यह माना जा रहा है यदि भईयालाल को टिकट नहीं मिलता है तो उनकी जीत सुनिश्चित है पर अभी भी सवाल है कि क्या सही में पूर्व कैबिनेट मंत्री को टिकट नहीं मिल रहा? क्या संभावना हकीकत में बदल जाएगी या फिर विधानसभा जीतने के लिए पूर्व कैबिनेट मंत्री को ही टिकट दिया जाएगा? कांग्रेस के स्थानीय विधायक के समर्थक यदि पूर्व कैबिनेट मंत्री को टिकट नहीं मिलता है और उसके अलावा कोई और प्रत्याशी होता है तो वह उनके सामने कमजोर होगा ऐसा वह मान बैठे हैं।

यदि पूर्व कैबिनेट मंत्री को टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय की संभावना बन सकती हैं जितने योग्य- कोरिया जिले का बैकुंठपुर विधानसभा काफी हाई प्रोफाइल विधानसभा माना जाने लगा है यही वजह है कि इस विधानसभा में पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान विधायक के बीच चुनाव देखना चाहते हैं, लोग और यदि इन दोनों के बीच चुनाव होता है तो निर्दलीय लड़ने वाले भी इनके बीच आने का जोखिम नहीं लेंगे पर यदि पूर्व कैबिनेट मंत्री चुनाव नहीं लड़ते हैं तो निर्दलीय लड़ने वाले एक बार जोखिम उठा सकते हैं और निर्दलीय प्रत्याशी बैकुंठपुर विधानसभा में उतर सकता है, अब यह प्रत्याशी कौन होगा यह तो समय की बात है। जहां कांग्रेस से वर्तमान विधायक का ही टिकट फाइनल माना जा रहा है और यदि भारतीय जनता पार्टी से पूर्व कैबिनेट मंत्री के अलावा किसी और को मौका मिलता है तो निर्दलीय खड़े

होने की संभावना ज्यादा हो जाएगी यह जनता की जुबानी भी सुनी जा सकती है।

भले ही भईयालाल राजवाड़े एक समाज विशेष वर्ग से आते हैं, पर भईया लाल राजवाड़े सभी समाज में अपनी पकड़ रखते हैं- भले ही पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े एक बहुत बड़े जनसंख्या वाले समाज से आते हैं पर उनके अंदर सभी समाजों के प्रति संभूति रहती है और सभी के काम करने में अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं, यही वजह है कि पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े को हर समाज व हर वर्ग के लोग पसंद करते हैं, भईयालाल राजवाड़े का खुद का व्यक्तिगत वोट है जहां शुरुआत करते हैं पर वही बाकी प्रत्याशियों को जीरो से शुरुआत करनी पड़ती है। पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े ने कभी भी समाज को लेकर यह नहीं जाहिर होने दिया कि वह सिर्फ एक समाज के लिए प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, सत्ता में रहते हुए और विधायक बनते हुए उन्होंने हर समाज के लिए एक समान सोच रखी, जिसका नतीजा है कि आज पूर्व कैबिनेट मंत्री भईयालाल राजवाड़े सभी समाज वाले नेता माने जाते हैं, उनके लिए सेवा ही पहली प्राथमिकता है, जिसकी वजह से उन्होंने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है, जिस समाज से आते हैं उस समाज में भी उनकी पैठ अच्छी है और उनको समाज के लोग भी उन्हें सम्मान देते हैं और उनकी बातों की अवहेलना नहीं करते। कोरिया कुमार के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री ही भईयालाल राजवाड़े एक ऐसे नेता है जिसे सारे समाज के लोग स्वीकार करते हैं।

निर्दलीय प्रत्याशी को मिल सकता है दोनो दलों के नाराज दावेदारों का समर्थन

निर्दलीय प्रत्याशी को दोनो ही दलों के नाराज दावेदारों का समर्थन मिल सकता है ऐसा माना जा रहा है,एक तरफ भाजपा में भी कई दावेदार हैं वहीं कांग्रेस से कई अब वर्तमान विधायक का टिकट कटने से नाराज चल रहें हैं और ऐसे में यदि कोई एक मजबूत और जनाधार वाला कोई प्रत्याशी चुनाव में निर्दलीय कूद जाता है तो वह जीत दर्ज कर सकता है यह तय माना जा रहा है।

भईयालाल राजवाड़े को यदि नहीं मिला टिकट तो उनका रुख भी चुनाव परिणाम को करेगा प्रभावित

भईयालाल राजवाड़े को यदि चुनाव में भाजपा टिकट नहीं देती है और उनकी जगह किसी अन्य को वह बैकुंठपुर से अपना उम्मीदवार बनाती है तब भइयालाल राजवाड़े का रुख भी चुनाव में मायने रखेगा,उनका रुक भाजपा की ओर यदि ठहर गया तो भाजपा की जीत ही तय है यह भी लोग मानते हैं वहीं यदि उनका किसी को समर्थन मिल जाता है तो वह निर्दलीय भी जीत दर्ज कर सकता है यह भी माना जाता है,कुल मिलाकर कहा जा सकता है की उनका जनाधार स्थाई है और वह उनके अनुसार ही निर्णय लेगा जो तय है।

पिछले चुनाव में हार की वजह से ही कटेगी पूर्व कैबिनेट मंत्री की टिकट यही वजह बनेगी टिकट कटने की एकमात्र वजह

पूर्व मंत्री पिछले चुनाव में वर्तमान विधायक से हार गए थे और भाजपा इस बार हारे हुए प्रत्याशी को टिकट देने के मूड में नहीं है यह बताया जा रहा है,वहीं उनकी हार की वजह भी राजवाड़े समाज के ही एक प्रत्याशी बने थे जो भी भाजपा पूर्व मंत्री की उनके समाज में घटी हुई लोकप्रियता मान रही है जिसकी वजह से उनकी हार हुई थी।

प्रतिबंध के बाद भी रेत माफिया धड़ल्ले से नदियों से निकल रहे रेत

नदी में लबालब भरे पानी के बीच की जा रही है रेत की तस्करी,ग्रीन ट्रिब्यूनल के नियमों की उड़ा रहें धज्जियां

-राजा मुखर्जी-

कोरबा, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
कोरबा में विगत एक वर्षो से रेत माफियाओं द्वारा लगातार नदी नालों का सीना चीरकर रेत की अफरा तफरी की जा रही है द्य समय समय पर संबंधित विभाग द्वारा कार्यवाही भी की जाती रही है पर कुछ समय मामले को रेत माफियाओं द्वारा ठंडे बस्ते में रख दोबारा रेत चोरी को अंजाम दिया जाने लगता है। वर्तमान में नदी नालों से रेत निकलने पर प्रतिबंध लगा हुआ है पर प्रतिबंध के बाद भी प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर रेत नदी नालों से निकाला जा रहा हैं द्य विभागीय कार्यवाही नहीं होने से इन रेत माफिया के हौसले हो रहे हैं बुलंद द्य नगर पालिका निगम के वार्ड क्रमांक 03 राताखार रेत घाट में रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि रात 10ः00 बजे से सुबह 4ः00 बजे तक सैकड़ों ट्रैक्टर रेत की चोरी करने में लगे हुए हैं द्य सूत्रों के अनुसार रेत माफियाओं द्वारा ट्रैक्टर मालिको से 7000 रुपए रेत दलालों के द्वारा लिया जा रहा है द्य बताया जा रहा है पहले ट्रैक्टर रेत दलाल द्वारा 5000 रुपए लिया जा रहा था लेकिन एक माह से रेत दलाल द्वारा अपना दर बढ़ा दिया गया है द्य ट्रैक्टर मालिक द्वारा रुपए नहीं दिए जाने पर ट्रैक्टर के पहिए, बैटरी सहित अन्य सामग्री को रेत दलाल द्वारा निकाल लिया जाता है और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है द्य मजबूर होकर ट्रैक्टर मालिक द्वारा रेत दलालों को वाहन चलाने से पहले रुपए दिया जाता है इसके बाद ही रेत घाट में प्रवेश दिया जाता है।

मजदूरों की जान जोखिम में

कटघोरा के निकट ग्राम डुड़गा से लगे अहिरन नदी में सुबह से रेत निकालने के लिए ट्रैक्टर की कतार लग जाती है। लगभग पांच हजार रूपये ट्रैक्टर में बिक रहे रेत को लेकर माफिया सक्रिय हो गए हैं। रेत चोरी के लिए मजूदरों के जान को जोखिम में भी डाला जा रहा है। खुलेआम हो रही रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन ने जिला खनिज विभाग के अधिकारियों के निष्क्रयता की पोल खोल कर रख दी है। जिले में खंड वर्षा का दौर जारी है ऐसे में छोटे नदी व नालों में पानी का बहाव बढ़ा हुआ है ऐसे में मजदूरों को नदी में उतारकर रेत निकालना अत्यंत जोखिम भरा है द्य इससे कभी भी दुर्घटना हो सकता है।

बड़ी दुर्घटना की आशंका

जिले के बींझपुर, जटांगपुर, डुड़गा, कसनिया आदि ऐसी जगह हैं जहां दिन रात रेत की ढुलाई ट्रैक्टर से हो रही है। उपनगरीय क्षेत्र के अलावा शहरी के निकट से होकर निकलने वाली हसदेव नदी से भी रेत का उत्खनन किया जा रहा रहा है। दिन में नदी से रेत निकाल कर डंप कर दिया जाता है, जिसे रात में परिवहन किया जा रहा है। यहां बताना होगा कि वर्षा जारी होने के कारण खनिज ने 15 जून से 16 अक्टूबर तक नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के अनुसार रेत की खुदाई और परिवहन प्रतिबंधित है। इसके बाद भी घाटों से गीले रेत को निकालने का क्रम जारी है। पूरे मामले मे गौर किया जाए तो खनिज माफिया संगठित होकर रेत परिवहन कर रहे हैं। अवैध परविहन का दुखद पहलू यह कि वाहन मालिक मजदूर व चालक को अधिक मजदूरी का लालच देकर उनके जान को जोखिम में डाल रहे है। जमीन गीली होने और जोखिम भरे मार्ग से रेत की ढुलाई किए जाने से ट्रैक्टर के पलटने का खतरा भी बना हुआ है ऐसे में बड़ी दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। जिला खनिज अधिकारी का कहना है कि विभागीय स्तर पर लगातार कार्यवाही कि जा रही हैं एवं विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए टीम भी गठित किया है। जुलाई माह की शुरूआत से अब तक खनिज विभाग की ओर से दर्ज 82 में से 49 प्रकरण केवल शहरी क्षेत्र के ही हैं द्य इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि फिल्ड अधिकारियों की कार्यवाही केवल सीमित क्षेत्र तक ही रह गई है वही रेत माफिया पूरे जिले में सक्रिय है।

पुलिस ने 200 चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट अंतर्गत की कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
कोरबा जिले में लगातार सडक़ दुर्घटनाओं में हो रहे लोगों की असमय मौत के मामलों को गंभीरता से लेते हुए एसपी उदय किरण ने एकमुश्त सडक़ किनारे बगैर रेडियम के लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़ा करने वालों पर कार्यवाही के निर्देश दिए द्य जिसपर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए लगभग 200 ट्रक, ट्रेलरों एवं हाईवा वाहनों के चालकों व मालिकों से मोव्ही एक्ट के तहत 06 लाख रुपए बतौर समंस शुल्क के रूप में जुर्माना वसूला गया।
मिली जानकारी के अनुसार एसपी ने जिले में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश यातायात पुलिस को दिया। उन्होंने विशेष रूप से यह निर्देश दिया कि सडक़ किनारे बेतरतीब ढंग से लापरवाहीपूर्वक खड़े किये गए ऐसे वाहन जिनमें रेडियम संकेतक नहीं लगा हो उनके उपर मोव्ही एक्ट की धारा 104/177 के तहत कार्यवाही किया जाए। जिसके बाद यातायात डीएसपी श्री परिहार ने अपने मातहतों को जिले के प्रमुख मार्गो विशेषकर कोरबा-उरगा, कोरबा-कुसमुंडा-दीपका, कोरबा-कटघोरा मार्ग, कटघोरा-अंबिकापुर एवं कटघोरा-पाली मार्ग में हाल फिलहाल तैनात किये गए द्य यातायात थाने से टैंगो प्रभारियों को मातहत स्टाफ के साथ देर रात तक अभियान चलाने का निर्देश दिया। बताया जाता है कि इसी कड़ी में टैंगो प्रभारी एएसआई क्रमशः तरूण जायसवाल, वी.के.वर्मा, सुदामा पाटले, मालिकराम जांगड़े, घनश्याम सिंह राजपूत विभिन्न मार्गो पर देर रात तक इस अभियान के तहत कार्रवाई करने में जुट गए। वहीं कोरबा शहरी क्षेत्र व कोरबा-उरगा मार्ग में सडक़ किनारे लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़े करने वाले चालकों व वाहनों पर कार्रवाई के लिए एएसआई मनोज राठौर, प्रधान आरक्षक वृजेंद्र केला, आरक्षक अजय राजवाड़े, टिकेश्वर चंद्रा आदि को लगाया गया। जिसके परिणाम स्वरूप देर रात तक चले इस अभियान में रेडियम पट्टी नहीं लगाने वाले लापरवाह वाहनों के चालकों व मालिकों से मोव्ही एक्ट की धारा 104/177 के तहत प्रति वाहन 300 रुपए के हिसाब से 06 लाख रुपए जुर्माना समंस शुल्क बतौर वसूल किया गया जिसे शासकीय कोष में जमा किया जाएगा।

भोले नाथ के जलाभिषेक के लिए जमड़ी धाम के लिए रवाना हुआ कावरियों का जत्था

-संवाददाता-

सुरजपुर,20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
सुरजपुर। रविवार को सुबह यहां रेणुका नदी स्थित छठ घाट से जलभर बड़ी संख्या में कावरियो का जत्था भगवान भोले नाथ के जलाभिषेक के लिए जमड़ी धाम के लिए रवाना हुए । कांवर यात्रा के लिए कावरियों में काफी उत्साह देखने को मिला। उल्लेखनीय है की रविवार को अल सुबह से जमडी धाम स्थित भगवान भोले नाथ के जलाभिषेक के लिए कांवर में जल लेकर नगर के छठ घाट स्थित रेणुका नदी के पावन तट पर शिव भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। जोगिया वस्त्र पहने कावरियों की टोली हर हर महादेव वा बोलबम के नारों से समूचा नगर गुंजाय मान रहा ।गगनभेदी नारों तथा डी जे के धुन पर बज रहें भोले के भजनों पर नाचते गाते श्रद्धा भक्ति में डूब कर जमडी धाम के श्रद्धालु रवाना हुए जिसमे सभी आयु के लोगो सहित महिलाएं बच्चे भी भी शामिल हुए । वही समूचे नगर का नजारा भगवामय हो गया था। कावरियों के लिए समाज सेवियों के द्वारा रास्ते में कई जलपान की व्यवस्था भी रखी गई थी। विदित हो कि यह आयोजन विगत कई वर्षो से मां दुर्गे स्वाभिमान युवा कल्याण समिति के द्वारा किया जाता रहा है।

देशी सिक्सर रिवाल्वर से लोगों को डराने-धमकाने वाला गिरफ्तार

-संवाददाता-

सुरजपुर, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
रविवार को थाना सूरजपुर पुलिस को सूचना मिली कि बाजारपारा चिकन मार्केट में अमन नाम का व्यक्ति देशी कट्टा लेकर लहराकर आने-जाने वाले लोगों को भय दिखाकर डरा-धमका रहा है। सूचना से पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला को अवगत कराया गया जो उन्होंने त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा बाजारपारा में घेराबंदी कर अमन कश्यप उर्फ कुनाल उम्र 23 वर्ष निवासी नावापारा सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से एक देशी सिक्सर रिवाल्वर को जप्त कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई अरूण गुप्ता, प्रधान आरक्षक लखेश साहू, आरक्षक राधेश्याम साहू, रामकुमार नायक, संत पैंकरा व लक्ष्मी नारायण मिर्रे सक्रिय रहे।

कमला नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने खूबसूरत पेंटिंग और रंगोली में समझाया मतदान का महत्व

-संवाददाता-

कोरबा, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
कमला नेहरू महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने खूबसूरत पेंटिंग और रंग-बिरंगी रंगोली में समझाया मतदान का महत्व,साथ ही वोटर्स को जागृत करने का संकल्प भी लिया। महाविद्यालय में स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरुकता कार्यक्रम किया गया आयोजित द्य इस दौरान प्राचार्य ने प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को दिलाई मतदाताओं को जागरुक करने की शपथ तथा बताया के देश में एक सशक्त, मजबूत और प्रभावशाली लोकतंत्र का निर्माण करने अधिक से अधिक मतदान आवश्यक है। इसी आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए मतदाताओं को समझाने कमला नेहरु महाविद्यालय में स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरुकता के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिताएं भी रखी गई। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति में उन्होंने खूबसूरत पेंटिंग और रंग-बिरंगी रंगोली सजाकर मतदान के महत्व से रुबरु कराया और मतदाताओं को उनके मताधिकार का प्रयास अनिवार्य रुप से करने प्रोत्साहित किया। प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों व छात्र-छात्राओं ने मतदाताओं को जागरुक करने का संकल्प भी लिया। भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का पालन करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार के दिशा-निर्देश पर कमला नेहरु महाविद्यालय कोरबा में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वीप प्रभारी श्रीमती ज्योति दीवान ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम एवं चित्रकला और रंगोली के माध्यम से युवाओं में मतदान के प्रति जागरुकता एवं महत्व को समझाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को मतदान को प्रेरित करने और मतदाता जागरुकता के लिए प्रयास करते हुए अपना योगदान सुनिश्चित करने की शपथ दिलाई।

अनैतिक गतिविधियों की सूचना पर एमपी नगर के एक मकान में पुलिस की दबिश, पूर्व में भी हो चुकी है यहां कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
जिले के पाश कॉलोनी कहे जाने वाले एम पी नगर के एक मकान पर अनैतिक गतिविधियों की सूचना पर लगातार मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेने के साथ कोरबा शहर में पुलिस की टीमों ने एमपी नगर मुख्य मार्ग पर संचालित हो रहे देह व्यापार के ठिकाने पर कार्रवाई की। मौके से मकान मालकिन के अलावा दो युवतियों को पुलिस ने अपनी कस्टडी में लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बार फिर से यहां अनैतिक गतिविधियां शुरू हो गई है जिसके कारण से आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त कर कोतवाली टीआई रूपक शर्मा सिविल लाइन थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडे और पुलिसकर्मियों ने इस अड्डे पर कार्रवाई की। पुलिस के द्वारा इससे पहले भी यहां पर कार्रवाई करने के साथ 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

जीजा की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

सुरजपुर, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
विगत शनिवार को ग्राम दरहोरा निवासी बिशुन सिंह ने थाना चंदौरा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 18 अगस्त के रात्रि में पिता अमरसाय सब्जी पहुंचाने मामा सुभाष के घर पड़ोस में गया था वापस नहीं आने पर अपने मॉ और बहन के साथ घर से बाहर निकले तो मामा मान सिंह हाथ में कुछ लेकर दौड़ते भाग रहा था, मामा के घर पास रोड़ में देखे कि पिता गिरा पड़ा है खून से लथपथ था धारदार हथियार से मारने के निशान थे, पिताजी को मामा मानसिंह ने धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दिया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चंदौरा में आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 87/23 धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने आरोपी को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना चंदौरा पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए दबिश देकर आरोपी मान सिंह पिता स्व. बालसाय उम्र 32 वर्ष ग्राम दरहोरा, थाना चंदौरा को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि जीजा अमरसाय मेरे लिए मुर्गी-तितरी चराता है जिससे मैं पागल हो रहा हूॅ इसी कारण टांगी से मारकर उसकी हत्या कर देना बताया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।
कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना चंदौरा के एएसआई रामसिंह, प्रधान आरक्षक केश्वर राम मरावी, उदय सिंह, प्रमोद लकड़ा, आरक्षक मिथलेश गुप्ता, मनमोहन विश्वकर्मा व नरेन्द्र निकुंज सक्रिय रहे।

चोरी की मोटर सायकल सहित एक बालक पकड़ाया

-संवाददाता-

सुरजपुर, 20 अगस्त 2023 (घटती घटना)
सूरजपुर। पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने चोरी-नकबजनी के अपराधों को घटित होने से रोकने तथा ऐसे वारदात को अंजाम देने वालों की धरपकड़ में तेजी लाने के निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी तारतम्य में दिनांक 19.08.23 को थाना जयनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम कंदरई में एक व्यक्ति चोरी की मोटर सायकल लेकर बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर थाना जयनगर पुलिस ने दबिश देकर सीडी डिलक्स मोटर सायकल सीजी 15 डीएच 0937 सहित एक विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालक को पकड़ा। जिससे मोटर सायकल संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जो चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 41(1-4)/379 भादसं. के तहत कार्यवाही करते हुए मोटर सायकल कीमत 30 हजार रूपये का जप्त किया। पूछताछ पर उसने बताया कि लखनपुर बाजार से मोटर सायकल चोरी किया है। मामले में विधि विरूद्ध संषर्घरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष विधि अनुसार पेश किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर सरफराज फिरदौसी, एएसआई वरूण तिवारी, राकेश यादव, आरक्षक राजकुमार पासवान, सैनिक जहांगीर सक्रिय रहे।

विश्व चैम्पियनशिप में प्रणय,सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी से पदकों की आस

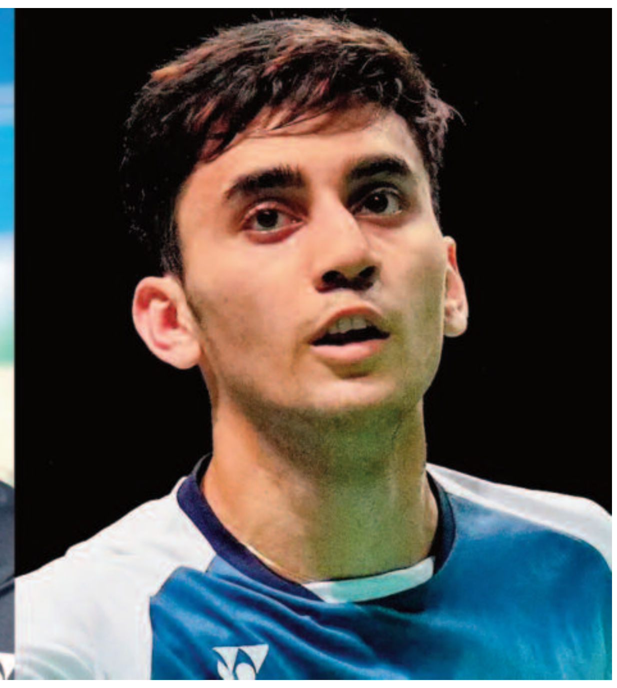

कोपनहेगन, 20 अगस्त 2023। फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सोमवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में भारत के पदक दावेदारों की अगुआई करेंगे।

सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पर लगी होंगी जो इस समय दुनिया की दूसरी नंबर की जोड़ी है। देश की सर्वश्रेष्ठ युगल जोड़ी पिछले चरण में जीते गये कांस्य पदक के रंग को बेहतर करना चाहेगी।

भारत ने 1977 से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण सहित 13 पदक जीते हैं जिसमें चार रजत और आठ कांस्य शामिल हैं। महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण पदक (कांस्य, 1993 में) जीतने वाले पहले भारतीय थे और 2011 के बाद से पीवी सिंधू की अगुआई में देश के खिलाड़ी कम से कम एक पदक जीतते आ रहे हैं।

सिंधू विश्व चैम्पियनशिप में भारत की सबसे सफल खिलाड़ी हैं जो 2019 में चैम्पियन रहीं और उनके नाम पांच पदक हैं। लेकिन बासेल चरण के बाद से वह पोडियम तक नहीं पहुंच पा रही हैं और इस सत्र में अपने पहले जैसे प्रदर्शन की झलक नहीं दिखा सकी हैं।

किदाम्बी श्रीकांत और लक्ष्य सेन ने 2021 चरण में भारत को कमशः रजत और कांस्य पदक दिलाये जबकि सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 2022 में कांस्य पदक जीता। प्रणय ऐसे खिलाड़ी हैं जो पोडियम के करीब पहुंचकर चूक रहे हैं, वह 2021 और 2022 दोनों चरण के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। लेकिन पिछले 12 महीनों में उनकी निरंतर फॉर्म को देखते हुए इस बार वह प्रबल दावेदारों में शुमार होंगे।

मलेशिया मास्टर्स में जीत दर्ज करने वाले और आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले प्रणय अपना अभियान फिनलैंड के कोले कोलजोनेन के खिलाफ शुरू करेंगे जिनकी विश्व रैंकिंग 56 है।

नौवीं वरीयता प्राप्त इस भारतीय के इसके बाद इंडोनेशिया के चिको ओरा ड्वी वार्डोयो से भिड़ने की उम्मीद है।

सेन का सामना दुनिया के 110वें नंबर के खिलाड़ी जार्जेस जुलियन पॉल (मॉरीशस) से होगा और उनके इसके बाद कोरिया के जियोन हियोन से भिड़ने की संभावना है। इसके बाद वह तीसरे दौर में तीसरे वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण के सामने हो सकते हैं।

श्रीकांत इस सत्र में इतना अच्छा नहीं कर पाये हैं और महत्वपूर्ण मौकों पर उनका खेल बिखर जाता है लेकिन वह ओलंपिक पूर्व सत्र में तेजी से चीजों का रुख बदलना चाहेंगे क्योंकि पेरिस क्वालीफिकेशन भी दांव पर लगा होगा।

गुंटूर के इस 30 साल के खिलाड़ी का सामना कड़े प्रतिद्वंद्वी जापान के 15वीं रैंकिंग पर काबिज केंटा निशिमोटो से होगा। भारतीय खिलाड़ी का विपक्षी पर जीत का रिकॉर्ड 6-3 है जिससे उनका मनोबल बढ़ेगा ही। इंडोनेशिया के एंथोनी जिनटिंग (विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर) टूर्नामेंट से हट गये हैं जिससे श्रीकांत के लिये ड्रा में थोड़ी मुश्किल कम होगी। अगर यह भारतीय अपनी काबिलियत के अनुरूप खेलने में सफल रहता है तो दुनिया के इस 20वें नंबर के खिलाड़ी के कम से कम क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद है।

विश्व चैम्पियनशिप के 2017 और 2018 चरण की रजत पदक विजेता और 2013 और 2014 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू को बाई मिली है और वह जापान की नोजोमी ओकुहारा और वियतनाम की थुये लिन्ह एनगुएन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी।

लेकिन उम्मीदों का बोझ सात्विक और चिराग के कंधों पर होगा जो शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने 2023 में इंडोनेशिया ओपन, एशिया चैम्पियनशिप, स्विस ओपन और कोरिया ओपन में खिताब अपने नाम किये हैं।

दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली है और अगर वे इस सत्र के दबदबे के अनुरूप आगे बढ़ते हैं तो उनके ड्रा में काफी आगे तक पहुंचने की उम्मीद है।

त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को भी बाई मिली है। यह जोड़ी आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दो बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

अन्य भारतीयों में अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम, रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी तथा वेंकट प्रसाद और जूही देवांगन भी शामिल हैं।

कोपनहेगन पांचवीं बार विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन कर रहा है जो सभी मेजबानों में सबसे ज्यादा है। डेनमार्क की राजधानी ने इससे पहले 1983, 1991, 1999 और 2014 में इसकी मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेलों की स्क्वैश स्टार अनहत सिंह ने

एशियाई जूनियर स्क्वैश में अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण जीता

मुंबई , 20 अगस्त 2023। भारत के राष्ट्रमंडल खेलों की स्क्वैश स्टार अनहत सिंह ने रविवार को चीन के डालियान में आयोजित 30वीं एशियाई जूनियर स्क्वैश व्यक्तिगत चैंपियनशिप के लड़कियों के अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 16 से 20 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में 15 वर्षीय अनहत ने हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले, दिल्ली की स्क्वैश खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया की डॉयस ली और सेमीफाइनल में मलेशिया की व्हिटनी इसाबेल विल्सन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

यह उनका दूसरा स्वर्ण और अनहत का अब तक का तीसरा पदक है, जो एशियाई जूनियर में पूर्व भारतीय स्टार ऋत्विक भट्टाचार्य से प्रशिक्षित हैं। उन्होंने 2022 में थाईलैंड में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर -15 वर्ग में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता और 2019 में मकाऊ में आयोजित एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर -13 वर्ग में कांस्य पदक जीता। इनके बीच कोविड के कारण प्रतियोगिता आयोजित नहीं हुई।

मेजबान जर्मनी से 2-3 से हारी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

डसेलडोर्फ , 20 अगस्त 2023। सुदीप चिरमाको ने दो गोल दागे लेकिन चार देशों के टूर्नामेंट में यह भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को जर्मनी के खिलाफ जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था।

मेजबान जर्मनी ने मिशेल स्ट्रूथॉफ (41 वां मिनट), बेन हस्बैक (53वां मिनट), और फ्लोरियन स्पर्लिंग (55वां) के गोल के दम पर इस मुकाबले को 3-2 से जीत लिया। चिरमाको ने सातवें और 60वें मिनट में भारत के लिए गोल किये।स्पेन पर 6-2 की जीत के बाद भारतीय टीम इस मुकाबले में बढ़े हुए हौसले से उतरी थी। टीम ने सातवें मिनट में चिरमाको के गोल की मदद से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी के बराबरी करने की पूरी कोशिश की लेकिन भारत पहले क्वार्टर में अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। जर्मनी ने दूसरे क्वार्टर में अपनी खेल की गति बढ़ाई और भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे माकूल जवाब दिया। इस बीच भारतीय टीम ने भी जवाबी हमले किये लेकिन प्रतिद्वंद्वी टीम का भी रक्षण शानदार रहा। मध्यांतर के समय तक भारतीय टीम अपनी बढ़त को बरकरार रखने में सफल रही।दूसरे हाफ की शुरुआत में जर्मनी ने मैच का अपना पहला गोल हासिल करने के लिए पूरा दमखम झोक दिया लेकिन भारत अच्छी तरह से बचाव करने में सफल रहा। स्ट्रूथॉफ ने 41वें मिनट में भारतीय रक्षापंक्ति को भेद को गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा कर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के आखिरी 15 मिनट में दोनों टीमों ने बढ़त लेने के लिए खेल की गति को बढ़ाया। जर्मनी ने इस बीच भारतीय रक्षापंक्ति की कमजोरी का फायदा उठाते हुए दो मिनट के अंदर दो गोल कर 3-1 कर बढ़त बना ली। हस्बैक ने 53वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई तो वहीं स्पर्लिंग इस अंतर को और बड़ा किया।मैच के आखिरी क्षणों में चिरमाको ने अपना दूसरा गोल दागा लेकिन यह टीम को हार से बचाने के लिए काफी नहीं थाा। भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में सोमवार को इंग्लैंड का सामना करेगी।

विश्व कप के कार्यक्रम में फिर बदलाव

» एचसीए ने लगातार दो मैच की मेजबानी को बताया मुश्किल

नईदिल्ली,20 अगस्त 2023। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने भारत में पांच अक्टूबर से शुरू हो रहे एकदिवसीय विश्व कप के दौरान दो दिनों में इतने ही मैचों की मेजबानी को मुश्किल करार देते हुए कहा कि संगठनात्मक और सुरक्षा कारणों से यह आदर्श स्थिति नहीं है।

एचसीए के एक अधिकारी ने उम्मीद जतायी कि उन्हें दो मैचों के बीच में एक दिन का समय मिलेगा, जिससे विश्व कप के कार्यक्रम में एक और बदलाव की अटकलें शुरू हो गयी है। काफी विलंब के बाद इस साल जून में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की गयी थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने इस महीने की शुरुआत में नौ मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया, जिसमें जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला बड़ा मुकाबला भी शामिल था।

भारत और पाकिस्तान के मैच के आयोजन को एक दिन पहले 14 अक्टूबर को कर दिया गया। इसके अलावा हैदराबाद में श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान का मैच 12 अक्टूबर की जगह 10 अक्टूबर कर दिया गया। एचसीए इससे पहले नौ अक्टूबर को न्यूजीलैंड बनाम नीदरलैंड मैच की भी मेजबानी कर रहा है।

हैदराबाद पुलिस ने लगातार दो मैचों के लिए सुरक्षा प्रदान करने पर आपत्ति व्यक्त की है।

एचसीए के एक अधिकारी ने कहा, '' मैं यह नहीं कह सकता कि इसे

निश्चित रूप से बदला जाएगा, लेकिन दो दिनों में दो मैचों की मेजबानी आदर्श स्थिति नहीं हैं। मेरा मतलब है कि अगर वे (बीसीसीआई) पुनर्विचार करेंगे तो यह अच्छा होगा। हमें सुरक्षा एजेंसियों के साथ काम करना होगा।''

उन्होंने कहा, '' कोई भी विश्व कप के दो मैचों के बीच एक दिन का समय चाहेगा। हम अब भी सुरक्षा एजेंसियों के साथ बातचीत कर रहे हैं कि यह संभव है या नहीं। इसके साथ ही हम बीसीसीआई को भी इसकी जानकारी दे रहे हैं। बीसीसीआई को पूरी तरह से पता है कि हम क्या करने की कोशिश कर रहे हैं।''

हैदराबाद पुलिस किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए दो से ढाई हजार पुलिस कर्मियों को नियुक्त करती है।

इस अधिकारी ने कहा, '' पुलिस की तैनाती मैच को लेकर जोखिम का आकलन और दर्शकों की संख्या पर भी निर्भर करती है। पुलिस आकलन करती है और उसी के अनुसार तैनाती करती है।''

इन मैचों में एक में पाकिस्तान की भागीदारी को देखते हुए, सुरक्षा बढ़ाए जाने की उम्मीद है।

पाकिस्तान की टीम 2016 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारत में खेलेगी। टीम का हैदराबाद में लंबा प्रवास होगा क्योंकि उसे इसी स्थल पर विश्व कप के दो मैचों के अलावा दो अभ्यास मैचों में भी भाग लेना है। टीम विश्व कप में अपने अभियान का आगाज छह अक्टूबर को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में नीदरलैंड के खिलाफ करेगी।

विश्व कप के लिए टिकटों की बिक्री 25 अगस्त से शुरू हो रही है, जिससे ज्यादातर क्रिकेट प्रशंसक को अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है।

गांगुली ने सैमसन को पछाड़कर 25 वर्षीय युवा को एशिया कप और विश्व कप के लिए डब्ल्यूके विकल्प के रूप में चुना

नईदिल्ली,20 अगस्त 2023। आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 से पहले भारत की अंतिम दो प्रतियोगिताएं एशिया कप और पांच बार की वनडे विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज होंगी। 2 सितंबर, 2023 को भारत पाकिस्तान से भिड़ेगा और ग्रुप गेम में नेपाल से खेलने से पहले एशियाई गौरव बरकरार रखने की अपनी खोज शुरू करेगा। भारतीय टीम की कोई घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अफवाहें हैं कि यह जल्द ही हो सकता है।

सौरव गांगुली ने एशिया कप टीम के लिए अपना भारतीय विकेटकीपर चुना

आगामी एशिया कप और एकदिवसीय विश्व कप के लिए, जो भारत में आयोजित किया जाएगा, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारत द्वारा विकेटकीपर-बल्लेबाज की खोज पर टिप्पणी की। पिछले साल एक वाहन दुर्घटना में लगी चोटों से उबर रहे ऋषभ पंत की अनुपस्थिति के कारण इस चयन निर्णय का महत्व और भी बढ़ गया है। जाने-माने भारतीय क्रिकेटर गांगुली ने एक टिप्पणी की जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि वह संजू सैमसन की तुलना में इशान किशन को पसंदीदा विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पसंद करते हैं। गांगुली ने अपना निर्णय लेने में किशन की आक्रामक बल्लेबाजी शैली के महत्व पर जोर दिया।

पंत देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं, लेकिन आप ईशान किशन, केएल राहुल (उनकी फिटनेस के आधार

पर) को देख सकते हैं; ये दोनों रोहित और राहुल के दिमाग में सही जगह पर होंगे। मुझे इशान किशन पसंद है क्योंकि वह किसी भी टीम के लिए खेल की शुरुआत करते हैं। मुझे यकीन है कि द्रविड़ उन्हें अपनी योजनाओं में रखेंगे,

एशिया कप 2023 के लिए टीम को लेकर गांगुली ने क्या कहा?

गांगुली ने टीम के मिशन के बारे में विस्तार से बताया और युवाओं और अनुभव के सही मिश्रण का आह्वान किया। उन्होंने जिन तीन खिलाड़ियों को विशेष रूप से होनहार बताया, वे थे यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा और इशान किशन। उन्होंने कहा, ये तीनों असफलता से तनावग्रस्त नहीं हैं और बिना डरे खेल सकते हैं।

इसके अलावा, गांगुली ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और चयन समिति के लिए उपलब्ध खिलाड़ियों की विस्तृत विविधता पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक खेल शुरू करने के लिए सर्वश्रेष्ठ ग्यारह खिलाड़ियों को निर्धारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यह अनुभवी और ऐसे लोगों की टीम होनी चाहिए जिन पर कोई दाग न हो - जैसे जयसवाल, वर्मा, ईशान किशन। वे जा सकते हैं और निडर क्रिकेट खेल सकते हैं। राहुल (द्रविड़), रोहित और चयनकर्ताओं के पास बहुत सारे विकल्प हैं; उन्हें बस सर्वश्रेष्ठ एकादश की पहचान करनी है और उसका चयन करना है।÷ इस सप्ताह सौदे की घोषणा होने की उम्मीद है क्योंकि भारत वर्तमान में टी20ई श्रृंखला में आयरलैंड से भिड़ेगा। वे 2 सितंबर, 2023 को एशिया कप के पहले मैच में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों और टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में से एक पाकिस्तान से भिड़ेंगे।

लसिथ मलिंगा ने छोड़ दी टीम

नईदिल्ली,20 अगस्त 2023। आईपीएल 2024 के लिए अभी से फेंचाइजियों ने तैयारी शुरू कर दी हैं। कई टीमों ने अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव किए हैं। इस बीच राजस्थान रॉयल्स के लिए बुरी खबर सामने आई है। उनके तेज गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा टीम का साथ छोड़ रहे हैं और मलिंगा अपकमिंग सीजन में मुंबई इंडियंस में शामिल हो सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2022 में अपना बॉलिंग कोच नियुक्त किया था। उनके कार्यकाल में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और लंबे वक्त बाद साल 2022 में फाइनल तक का सफर तय किया था। लेकिन, अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलिंगा राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़ने वाले हैं और बतौर बॉलिंग कोच मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनने वाले हैं।

आईपीएल 2008 से लसिथ मलिंगा ने अपने इंडियन प्रीमियर लीग के करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पूरे आईपीएल करियर के दौरान मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व ही किया। हालांकि, आईपीएल 2021 में उन्होंने रिटायरमेंट के बाद आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स के साथ बतौर गेंदबाजी कोच जुड़े थे। उनकी कोचिंग में फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2022 का फाइनल खेला। लसिथ मलिंगा ने आईपीएल में 122 मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 19.80 के औसत से 170 विकेट चटकाए. ऐसे में ड्रेसिंग रूम में उनके होने से युवा खिलाड़ियों को काफी सपोर्ट मिलता है।

विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर खुशी का चौथा गाना सब्र ए दिल टूटे हुआ रिलीज

विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु ने हर किसी को खुशी दे दी है. इससे पहले आप कुछ सोचे, जी हां हम बात कर रहे हैं दोनों की अपकमिंग रोमांटिक फिल्म खुशी की, जिसकी चर्चा हर तरफ है. फिल्म के ट्रेलर से लेकर अब तक आए इसके सभी गानों ने भी दर्शकों पर जादू चलाया है. अब बारी है फिल्म के एक और नए गाने की जिसके बोल सब्र ए दिल टूटे है जो अब रिलीज हो चुका है.दर्द से भरा है गानाः खुशी के तीनों गाने पहले ही लोगों का दिल जीत चुके है और अब फिल्म की एल्बम से सामने आया चौथा गाना सब्र ए दिल टूटे एक और खूबसूरत ट्रैक है जो दिलों को छू लेने वाला है. विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु स्टारर यह गाना इस बार अपने दर्द भरी धुन के साथ लोगों से इमोशनली कनेक्ट करेगा.सोशल मीडिया पर हुआ शेयरः निर्माताओं ने विजय देवरकोंडा और सामंथा रुथ प्रभु के एक खूबसूरत पोस्टर के साथ इस गाने को शेयर किया है जिसमें दोनों की केमिस्ट्री नजर आ रही है. इसे उन्होंने कैप्शन दिया, एक और गाना आपकी प्लेलिस्ट में शामिल हो गया है, इस बार दर्द से भरा हुआ है इस गाने को विशाल मिश्रा और गायत्री अशोकन ने खूबसूरती से गाया हैं और गाने के बोल रकीब आलम ने लिखे हैं. जबकि इसका म्यूजिक हेशम अब्दुल वहाब का हैं. शिव निर्माण इस मूवी के डायरेक्टर और राइटर हैं और माइथ्री मूवी मेकर्स ने इस मूवी को प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म 1 सितंबर को सिनेमाघरों में लोगों के दिलों को खुश करने और प्यार का जश्न मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है.

ममूटी ने शुरू की अपनी अगली हॉरर थ्रिलर ब्रमायुगम की शूटिंग

ममूटी ने अपनी अगली फिल्म ब्रमायुगम की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया। यह एक हॉरर थ्रिलर है और इसका निर्देशन राहुल सदाशिवन ने किया है। ब्रमायुगम पहली फिल्म है जो नाइट शिफ्ट स्टूडियो के बैनर तले बनी है। ब्रमायुगम मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में रिलीज़ होगी।ममूटी ने अपनी आगामी हॉरर थ्रिलर ब्रमायुगम का पहला पोस्टर ट्विटर पर साझा किया। उन्होंने लिखा, सब्रह्मयुगम - मेरी अगली शूटिंग आज से शुरू हो रही है।

फिल्म के निर्देशक और लेखक राहुल सदाशिवन ने अभिनेता के साथ अपने सहयोग को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं दिग्गज ममूक्का को निर्देशित करने के सपने को जीने के लिए उत्साहित हूं। ब्रमायुगम केरल के अंधेरे युग में स्थापित एक मूल कहानी है, और इसे बनाने की सीमाओं को आगे बढ़ाने में निर्माताओं द्वारा समर्थन पाकर मुझे खुशी है। एक गहन फिल्म अनुभव में। मुझे उम्मीद है कि यह ममूक्का के प्रशंसकों और दुनिया भर में इस शैली के प्रशंसकों के लिए एक सौगात होगी।निर्माता, चक्रवर्ती रामचंद्र और एस शशिकांत ने कहा, हम अपने शुरुआती प्रोडक्शन में महान ममूक्का को लेकर सम्मानित और रोमांचित हैं। ममूक्का की अद्वितीय छवि एक शानदार सिनेमाई अनुभव में जान डालने के लिए तैयार है। ब्रमायुगम हमारे निर्देशक राहुल द्वारा प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ मिलकर बनाई गई एक आशाजनक दुनिया है।ब्रमायुगम में अर्जुन अशोकन, सिद्धार्थ भारतन और अमाल्डा लिज़ भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 2024 की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग कोच्चि और ओट्टापलम में भव्य पैमाने पर की जा रही है। इस बीच, ब्रमायुगम के अलावा ममूटी गंभीर अपराध नाटक बाज़ूका में भी दिखाई देंगे। फिल्मांकन मई में शुरू हुआ।

बैज बोले अबकी बार 75 पार

» गिनाया भूपेश सरकार का कार्य

» कांग्रेस का दावा भूपेश सरकार ने पौने 5 साल में प्रदेश के हर वर्ग का रखा ख्याल

रायपुर,20 अगस्त 2023(ए)। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने पौने दो लाख करोड़ रुपए सीधे लोगों के खाते मे डाला है। दीपक बैज ने दवा किया है कि राज्य का हर नागरिक भूपेश सरकार को फिर से बनाना चाहता है। जनता के भरोसे से अब की बार 75 पार होगा यह भरोसा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले पौने पांच साल में कांग्रेस की भूपेश सरकार ने किसानों, महिलाओं, मजदूरों, युवाओ के खातें मे पौने दो लाख करोड़ रूपये सीधे डालने का काम किया है।

उन्होंने कहा जनता का कांग्रेस के प्रति भरोसा बढ़ा है इसी भरोसे के दम पर अब की बार 75 पार का लक्ष्य पूरा होगा। राज्य का हर नागरिक चाहता है भूपेश सरकार को फिर से बनाना।

कांग्रेस की सरकार ने किसानों, युवाओं, मजदूरों महिलाओं, आदिवासियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये योजना बनाया और उसका प्रभावी क्रियान्वयन किया है।

इस वजह से छत्तीसगढ़ का किसान देश में अपनी फसल की सबसे ज्यादा कीमत पाता है तथा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से 9 से 10 हजार की इनपुट सब्सिडी किसानों को मिल रही है। सबसे कम बेरोजगारी दर छत्तीसगढ़ की है। युवाओं को 2500 रू भत्ता भी कांग्रेस की सरकार देती है। आम आदमी को राहत देने के लिये भूपेश सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना लागू किया है। जिसक फायदा 44 लाख नागरिकों को हुआ उनका 4000 करोड़ का बिजली बिल कांग्रेस सरकार ने माफ कर दिया।

भूपेश सरकार की इन योजना का भी बखान

- तेंदूपत्ता का मानक दर 2500 रु से बढ़ाकर 4000 रु प्रति बोरा किया गया,
- 65 वनोपज की समर्थन मूल्य में खरीदी की गई, चरणपादुका योजना
- बस्तर में मक्का प्रोसेसिंग प्लांट लगाया गया
- 24827 व्यक्तिगत 20,000 से अधिक सामुदायिक व 2200 वन संसाधन पट्टा
- 16 लाख से अधिक हेक्टर भूमि आदिवासी वर्ग को वितरित
- 4,38,000 से अधिक व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र वितरित
- 44,300 से अधिक सामुदायिक वन अधिकार पत्र वितरित किया गया
- 2175 से अधिक वन संसाधन अधिकार ग्राम सभा को प्रदान की गई
- मिलेट मिशन से बस्तर के वनोपज को देश-विदेश तक पहुँचाया गया
- राजीव गांधी किसान न्याय योजना से धान, गन्ना, मक्का, कोदो, आदि फसल के लिए सब्सिडी
- 85 विकास खंडों में वनों उपज प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के लिए आठ करोड 50 लाख रुपए
- बिजली बिल हाफ की सुविधाएं, सिंचाई कर माफ किया गया
- चार साल में आदिवासी वर्ग के शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य के एवं कानूनी अधिकार के लिये कार्य
- बस्तर क्षेत्र में आदिवासी वर्ग की शिक्षा के लिए 300 से अधिक बंद स्कूलों को खोला गया
- पूर्वती सरकार द्वारा दस गांवों के 1707 आदिवासी परिवार से छीनी गई 4200 एकड़ जमीन को लौटाया

सद्भावना दिवस पर सोनिया गांधी का संदेश

छत्तीसगढ़ सरकार ने राजीव गांधी के सपने को साकार रूप दिया

रायपुर,20 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार ने राजीव जी के सपनों को साकार रूप दिया है। समाज के सभी क्षेत्रों, वर्गों, समुदायों तथा जन-जन के जीवन स्तर में सुधारने की दिशा में अपने को समर्पित किया है। सही मायनों में राजीव जी के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि है। सांसद सोनिया गांधी ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर महासमुंद में आयोजित कार्यक्रम में अपने वीडियो संदेश में यह बात कही।

सोनिया गांधी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि अगर हम कृषि की प्रगति को कायम नहीं रख पाये तो देश से हम गरीबी नहीं हटा पाएंगे। छत्तीसगढ़ की सरकार ने राजीव जी के इन सपनों को साकार करने ठोस कदम उठाए हैं। इन कदमों से लाखों किसानों का आर्थिक स्तर निरंतर सुधर रहा है। उनके जीवन में उम्मीद की किरण दिखाई देती है। परिवार में खुशी का माहौल है। मुझे खुशी है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत सरकारी सब्सिडी के अलावा छत्तीसगढ़ के किसानों के उत्थान के लिए अनेक फैसले लिये गए हैं, जो दूसरे प्रदेशों के लिए एक मिसाल हैं। राज्य सरकार के इन फैसलों से जहां उत्पादन में वृद्धि हुई, वहीं किसानों की आय में बढ़ोत्तरी का नया रिकार्ड कायम हुआ। छत्तीसगढ़ की सरकार ने कृषि मजदूरों के लिए भी सार्थक कदम उठाये। राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि राजीव जी कहते थे कि भारत एक प्राचीन देश है लेकिन एक युवा राष्ट्र है। उन्हीं के शब्दों में मैं नौजवान हूँ और मेरा भी सपना है। मेरा सपना है कि भारत को मजबूत, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर तथा दुनिया के सभी देशों में प्रथम स्थान पर लाना और मानव जाति की सेवा करना है। आज जब हम राजीव जी के इन शब्दों को याद करते हैं तो समझ आता है कि देश के युवा और किसानों के बिना यह सपना पूरा नहीं हो सकता। देश के किसानों से राजीव जी का अटूट लगाव था। उन्होंने कहा था कि यदि किसान कमजोर हो जाते हैं तो देश आत्मनिर्भरता खो देता है लेकिन अगर वो मजबूत होते हैं तो देश की स्वतंत्रता भी मजबूत होती है।

आईटीआई प्रशिक्षण अधिकारी भर्ती

22 अगस्त तक दस्तावेजों का होगा सत्यापन

रायपुर,20 अगस्त 2023(ए)। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण अधिकारियों के विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग उपरांत अभ्यर्थियों को 19, 20, 21 एवं 22 अगस्त 2023 को विभिन्न दस्तावेज सत्यापन केन्द्र में दस्तावेज सत्यापन हेतु बुलाया गया है।इसकी जानकारी सभी को एसएमएस के माध्यम से सूचना भी भेजी गयी है। दस्तावेज सत्यापन हेतु बुलाये गये अभ्यर्थियों में से जो अभ्यर्थी कतिपय कारणों से संबंधित दस्तावेज सत्यापन केन्द्र में उपस्थित नहीं हो सके हैं, ऐसे अभ्यर्थी 22 अगस्त 2023 को संबंधित दस्तावेज सत्यापन केन्द्र में प्रातः 9.30 बजे उपस्थित होकर दस्तावेज सत्यापन करवा सकते हैं।

सीएम बघेल की घोषणा पर अमल शुरु

» अब छत्तीसगढ में कॉलेज स्टूडेंट्स को मिलेगी फ्री में बस सेवा

रायपुर,20 अगस्त 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शासकीय महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को घर से कॉलेज और कॉलेज से घर आने-जाने के लिए बस के माध्यम से निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा पर राज्य शासन द्वारा अमल शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री बघेल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय

समारोह में महाविद्यालय के छात्रों के हित में यह घोषणा की है।

उच्च शिक्षा विभाग की आयुक्त शारदा वर्मा ने इस घोषणा के क्रियान्वयन के संबंध में सभी शासकीय कॉलेज के प्राचार्यों को पत्र लिखा है। जिसमें शासकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत उन विद्यार्थियों की जानकारी मांगी गई है, जो निःशुल्क बस परिवहन सेवा का लाभ लेना चाहते हैं। पत्र के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में जानकारी मांगी गई है। जिसमें ट्रैवलर्स का नाम, बस रूट का नाम, महाविद्यालय के निकटतम बस स्टॉप के नाम और विधार्थी की घर से कॉलेज की दूरी से संबंधित जानकारी मांगी गई है। प्राचार्यों को उक्त जानकारी 28 अगस्त तक विभाग भेजने को कहा गया है। उल्लेखनीय है की युवाओं से भेंट मुलाकात के दौरान कॉलेज के छात्रों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराने की मांग की थी।

जनजातीय विश्व विद्यालय का मिठाई घोटाला बना चर्चा का विषय

» स्वतंत्रता दिवस पर छात्रों,अधिकारियों व कर्मियों को नहीं मिली मिठाई

-अरविंद द्विवेदी-

अनूपपुर,20अगस्त 2023(घटती-घटना)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक बिल्डिंग घोटाला, भर्ती में भ्रष्टाचार, जनजातीय छात्राओं के छेड़छाड़, बलात्कार के मामलों में चर्चित रहा

फॉलो-अप

है। वहीं हाल ही में 15 अगस्त के स्वत्रंत्रता दिवस पर्व के दिन ढाई हजार पैकेट मिठाई का घोटाला हो गया तथा विश्वविद्यालय के सभी संकाय के छात्र एवं कई असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर तथा नॉन-टीचिंग के अधिकारी, अस्सिटेंट रजिस्टार भी घन्टो लाइन में लग रहे, लेकिन मिठाई नहीं मिल पाई। स्वत्रंत्रता दिवस पर्व के खर्चे के लिए लाखों रुपए का एडवांस विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी ने लिया था, मिठाई घोटाले का मुद्दा छात्रों और जनजातियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। विश्वविद्यालय में सैकड़ो की संख्या में सफाई-कर्मचारी, डेलीवेजेस पर काम करने वाले कर्मचारी, गार्ड, आसपास के जनजातीय दर्शक भी मायूस होकर लौट गए।

अधिकारियों को गुमराह करने व मामले को दबाने पहुंचे दिल्ली

सूत्रों की माने तो विश्वविद्यालय में ऐसी चर्चा है कि दिनांक 16 अगस्त से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी अपने कुनबे के कुछ प्रोफ़ेसर तथा अधिकारियों के साथ जांच एजेंसियों के समक्ष पहुंच गए हैं तथा उन्हें फर्जी एवं गुमराह करने वाला जवाब दे रहे हैं तथा कई भाईसाहब लोग से अधिकारियों और मंत्री को फोन करा कर मामले को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। 15 अगस्त की मिठाई में भी 80त्र तक की कमीशन कुलपति को पहुंचाने के लिए विजय दीक्षित ने मिठाई गायब कर दिए तथा लोगों को नाश्ता नहीं कराकर उसका भी कमीशन कुलपति को दे दिए, 15 अगस्त के कार्यक्रम के लिए भी घोटाला किया जाने से पूरा विश्वविद्यालय परिवार शर्मशार हो

जनजातीय विरोधी बन गया है विश्वविद्यालय

गया है तथा इसकी चारोंतरफ निंदा हो रही है देखना यह है कि शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रपति भवन, सेंट्रल विजिलेंस कमीशन और लोकसभा कब तक कार्यवाही करेगा।

स्वत्रंत्रता दिवस पर्व के टेंट लगाने के कार्य में भी किया गया घोटाला

15 अगस्त की तैयारी के लिए टेंट और 500 कुर्सियों सहित वाटरप्रूफ टेंट की बड़ी व्यवस्था के लिए लाखों रुपए का एडवांस लिया गया लेकिन कुर्सी लगाने के नाम पर मात्र 50 कुर्सियां लगी थी और गांव से पधारे लोग तथा दर्शक शिक्षक, छात्र तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारी खड़े होकर शामिल हुए। भारी अव्यवस्था को देखकर गैर-शैक्षणिक कर्मचारी और शिक्षकों के बीच तनातनी भी हो गई और झड़प की नौबत आ गई थी, बड़ी मुश्किल से झड़प को कंट्रोल किया गया। इसके बाद मिठाई नहीं बांटने को लेकर अफरा-तफरी मच गई। बाद में प्रशासनिक भवन के अंदर ले जाकर कुछ छात्रों तथा कुछ शिक्षकों को मिठाई मिला जिसको लेकर चर्चा का बाजार गर्म है।

प्रभारी कुलसचिव एवं कुलपति का गायब होना खड़ा कर रहा कई प्रश्न

सूत्रों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा किये गए बिल्डिंग घोटाला, भर्ती में भ्रष्टाचार, जनजातीय छात्राओं के छेड़छाड़, बलात्कार के मामलों में हो रही जांच में फर्जी जवाब देने के लिए 16 अगस्त से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो प्रकाशमणि त्रिपाठी एवं प्रभारी कुलसचिव प्रो एनएचएस मूर्ति तथा कुछ अन्य लोग गायब हो गए हैं। फर्जी जवाब तैयार करने के लिए एक स्पेशल टीम बनाई गई है जिसमें माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की गलत ढंग से प्रस्तुति कर तथा फर्जी डॉक्यूमेंट तैयार कर जवाब दिया जा रहा है। यहां तक की जिस व्यक्ति ने विश्वविद्यालय के घोटाला को उजागर कर लिखित शिकायत किया है उसके संदर्भ में भी झूठी एवं बनावटी बातें प्रस्तुत की जा रही है। शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रपति भवन, सेंट्रल विजलेंस कमिशन, लोकसभा सचिवालय द्वारा किए जा रहे जांच में गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने पर और झूठी जानकारी प्रस्तुत कर अपने-आप को बचाने के लिए झूठी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के संदर्भ में रिप्रेजेंटेशन किया जाएगा।

डॉ शिवा कांत त्रिपाठी ने प्रो. आलोक श्रोतिया को सुनाया अपना दुखड़ा

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अगस्त के दूसरे दिन प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ शिवा कांत त्रिपाठी ने विभाग के एक अन्य प्रो आलोक श्रोतिय को बताया कि मात्र 10 लोगों के लिए छोले, भटूरे, पुलाव की व्यवस्था की गई थी। भटूरे बनाने

लोकसभा और शिक्षा मंत्रालय को गुमराह कर रहा जनजातीय विश्वविद्यालय

जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा किया गया रोस्टर में फर्जीवाड़ा

वाले के पास भटूरे रखने के लिए बर्तन नहीं था इसलिए वह भटूरे नीचे जमीन पर ही रख रहा था और जमीन पर रखा हुआ भटूरे विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर तथा अधिष्ठातागण को खिलाया गया। लेकिन जमीन पर पड़ा हुआ भटूरा भी 15 लोग के बाद खत्म हो गया और सुबह से काम कर रहे डॉ शिवा कांत त्रिपाठी सहित कई शिक्षकों को एवं गैर शैक्षणिक अधिकारियों को छोले भटूरे नसीब नहीं हुए और वो पूरे दिन भूखे रह गए। इसको लेकर बड़े स्तर पर आपसी विरोध शुरू हो गया है तथा कुलपति के अत्यंत नजदीकी लोग ही इसका विरोध शुरू कर दिए हैं।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ही कर रहे सारी साजिशों का खुलासा

जब से शिक्षा मंत्रालय तथा राष्ट्रपति भवन द्वारा जांच शुरू की गई है तब से जांच को प्रभावित करने के लिए विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। वहीं सूत्रों के अनुसार हाल ही में जी लक्ष्मण को विश्वविद्यालय ने आमंत्रित किया गया था, जी लक्ष्मण के सिफारिश पर सिलेक्ट हुए डॉ जयप्रकाश नारायण की नियुक्ति की यदि सीबीआई जांच हो तो संघ के वरिष्ठ प्रचारक जी लक्ष्मण सीधे जेल पहुंच जाएंगे। इस बात पर कई प्रोफेसर ने कुलपति के इशारे पर जी लक्ष्मण से निवेदन किया कि यदि यह जांच नहीं रुकी तो आप भी खतरे में आ जाएंगे। आपके दिल्ली आने-जाने का टिकट विश्वविद्यालय से आरेंज करा दिया जाएगा। आप तुरंत दिल्ली जाकर शिक्षा मंत्रालय की जांच को रुकवाएं। कुलपति प्रो प्रकाशमणि और श्रीशील मंडल के कुछ पदाधिकारी का कॉल डिटेल्स निकल जाए तो बड़े-बड़े घोटाले सामने आ जाएंगे। शिवाकांत त्रिपाठी द्वारा प्रोफेसर आलोक को जिस तरह से शिकायत प्रस्तुत किया गया है उससे यह लग रहा है कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा प्रकाशमणि त्रिपाठी के लोग ही अब उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं।

पर्दे के पीछे खेल रहे विजय दीक्षित आ सकते हैं जांच के घेरे में

विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को खास तौर पर जनजातीय छात्रों को निम्न गुणवत्ता का भोजन कराया जाना विधानसभा चुनाव में चर्चा का विषय बना हुआ है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञात हो कि कमीशनखोरी करने के लिए विजय दीक्षित अपने जबलपुर की टीम को विश्वविद्यालय में लाकर एलबीआई के माध्यम से खाना बनाना के काम में कमीशनखोरी करने का काम शुरू कर दिया है, विजय दीक्षित पे ने का काम छोड़कर दूध बेचने, दही-घी-शक्कर बेचने और आटा पीसने तथा भोजन बनवाने में कमीशन खोरी करने में लगे हैं। कमीशन का 80त्र कुलपति के पास जाता है और 20त्र स्वयं विजय दीक्षित रख लेते हैं। सूत्रों के अनुसार एलबीआई की यदि उच्च स्तरीय जांच हो तो करोड़ों के इस घोटाले में विजय दीक्षित सीधे जेल पहुंच जाएंगे।

कमीशन के लिए पुराने कर्मचारियों को दिखाया बाहर का रास्ता

सूत्र बताते हैं कि एलबीआई में पिछले सात आठ सालों से कार्य कर रहे पूरन सिंह मरकाम, रीवा के शिव तिवारी तथा शहडोल के अवकाश गर्ग सहित कई पुराने कर्मचारियों को विजय दीक्षित ने इसलिए बाहर का रास्ता दिखा दिया है कि विजय दीक्षित द्वारा बड़ी पैमाने पर कमीशनखोरी किया जा रहा है। कमीशनखोरी करना तथा कुलपति को 80त्र कमीशन देना पीआरओ दीक्षित का प्रमुख धंधा है। छात्रों को गुणवत्तायुक्त भोजन न देकर बिना टेंडर हुए अपने परिचित को टेंडर का काम देने से तथा इसके लिए एलबीआई का उपयोग करने के लिए विजय दीक्षित जांच के घेरे में है। वहीं विश्वविद्यालय में भ्रष्टाचार, घोटाला, रोस्टर में गड़बड़ी, जनजातियों के नुकसान के मामले में स्थानीय युवा एवं छात्र नाराज है।

बीजेपी सांसद ने क्यों कहा

जिला निर्वाचन अधिकारी का फार्म भ्रष्टाचार है?

बीजेपी की मांग मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने,गलत नाम विलोपित करने का समय 15 दिन और बढ़ाया जाए

रायपुर,20 अगस्त 2023 (ए)। सांसद सोनी ने बताया बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने तथा गलत नाम को विलोपित करने के कार्य पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बिना 6/7 नं. फार्म के ही नाम जोड़ने व विलोपित किए जाने पर सांसद सोनी ने सवाल किया क्या यह जिला निर्वाचन अधिकारी का 'फार्म भ्रष्टाचार' है?

भाजपा के सभी पदाधिकारी 21 अगस्त से 31 अगस्त, 2023 तक नाम जुड़वाने तथा गलत नाम विलोपित कराने के लिए जनजागरण अभियान भी चलाएंगे। प्रक्रिया के लिए निर्धारित अवधि 31 अगस्त है, मगर पिछले 20 दिनों से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय और जिला निर्वाचन कार्यालय ने इस कार्य को लेकर उदासीनता दिखाई है।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद सुनील सोनी ने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने तथा गलत नाम को विलोपित करने के कार्य पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, इसलिए नए नाम जोड़ने तथा गलत नाम विलोपित करने का समय 31 अगस्त के बाद 15 दिन और बढ़ाया जाए।

सोनी ने बताया कि भाजपा द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ का ध्यान इस विषय पर आकर्षित करके अनुरोध किया गया है। श्री सोनी ने आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए गए आदेशों का पालन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के द्वारा नहीं कराया जा रहा है। पूर्व विधायक नंदे साहू, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ,विधि प्रकोष्ठ के संयोजक जेपी चंद्रवंशी भी उपस्थित थे। भाजपा सांसद सोनी ने रविवार को राजधानी के एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में कहा कि छत्तीसगढ़ में नाम जोड़ने के लिए तय किए गए बूथ लेवल ऑफिसर कई स्थानों पर हड़ताल पर हैं तथा कई कर्मचारी यूनियन अभी सरकार के विरुद्ध हड़ताल पर बैठे हैं ।

बूथ लेवल ऑफिसर अपने बूथ पर नहीं बैठ रहे हैं, इसकी शिकायत भाजपा द्वारा छत्तीसगढ़ के निर्वाचन कार्यालय से की गई थी। इस पर निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी कलेक्टर को आदेश देकर बूथ ऑफिसर को निर्धारित स्थान पर जाने का निर्देश दिया गया, फिर भी बूथ लेवल ऑफिसर अभी भी क्षेत्र में भ्रमण नहीं कर रहे हैं और अपने निर्धारित स्थान पर बैठ नहीं रहे हैं।

सोनी ने हैरानी जताई कि चुनाव जैसी अनिवार्य सेवा के प्रति उदासीनता का परिचय दिया जाना अवांछनीय है लेकिन निर्वाचन आयोग तथा कलेक्टर द्वारा अभी तक किसी भी बूथ लेवल ऑफिसर पर किसी भी प्रकार की कोई दण्डात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

फार्म भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

भाजपा सांसद श्री सोनी ने 'फार्म भ्रष्टाचार' की बात कहते हुए बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर को हर बूथ पर नाम जोड़ने के लिए फॉर्म नंबर 6 तथा नाम हटाने के लिए फॉर्म नंबर 7 लेकर बैठना है और नागरिकों को यह दोनों फार्म निःशुल्क देना है किंतु बूथ लेवल ऑफिसर कुछ ही स्थानों पर बैठ रहे हैं जहां पर उनके पास कोई फार्म नहीं है और वह बिना फार्म के ही नाम जोड़ अथवा विलोपित करने का कार्य कर रहे हैं!

सोनी ने सवाल किया कि क्या यह जिला निर्वाचन अधिकारी का 'फार्म भ्रष्टाचार' है? अपने दायित्व के प्रति गंभीर नहीं हैं और मात्र खानापूर्ति की जा रही है। श्री सोनी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के ऑनलाइन सिस्टम में नाम जोड़ने के कार्य में वेबसाइट या तो नहीं चल रही है, याफिर बहुत स्लो चल रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)